ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष- 6, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 331 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
06 जून 2026 शनिवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
35.2 अधिकतम
22.4 न्यूनतम

Page- 7

अडानी-वेदांता की कारपोरेट जंग में ईडी की एंट्री...! महज संयोग या कोई प्रयोग?

समाचार विश्लेषण
राजेश सिरोठिया

जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड का दिवालियापन अब केवल एक कॉर्पोरेट अधिग्रहण का मामला नहीं रह गया है। यह भारत के दो सबसे प्रभावशाली कारोबारी समूहों अडानी और वेदांता के बीच प्रतिष्ठा, प्रापर्टी और प्रभाव की लड़ाई में बदल चुका है। लेकिन, इस अदावत के बीच भारत सरकार के प्रर्वतन निदेशालय की एंट्री को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इसे संयोग माना जाए या कोई प्रयोग ? सोशल मीडिया पर ऐसी पोस्ट की भरमार है जिसमें कहा जा रहा है कि यह 'छापा मारो और कंपनी पर अडानी का कब्जा करवाओ प्रेक्टिस' का हिस्सा है।

इस पूरे विवाद की जड़ में जेपी एसोसिएट के अधिग्रहण की लड़ाई है जो एक समय देश के इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र की शान थी। लेकिन कुछ गलत फैसलों के चलते समूह की कंपनी लगभग 57 हजार

करोड़ से अधिक के कर्ज तले दबकर दिवाला प्रक्रिया में पहुंच गई। इसके बाद कंपनी की बहुमूल्य परिसंपत्तियों, पावर प्लांट, सीमेंट इकाइयों, रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स, एक्सप्रेस वे और बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर देश के बड़े उद्योग समूहों की नजरें टिक गईं। कर्जदाता बैंकों को जेपी समूह की संपत्ति बेचकर तकरीबन 14 हजार करोड़ जुटाना थे। इसके लिए उसने समाधान योजना के तहत नीलामी की प्रक्रिया शुरू की । इस दौड़ में सबसे आगे अडानी और वेदांता रहे। वेदांता ने उसकी बोली 16 हजार 726 करोड़ रु की लगाई। लेकिन बैंकों की कमेटी ऑफ क्रेडिटर्स (सीओसी) ने उसकी अनदेखी करके अडानी समूह की 14 हजार 535 करोड़ रुपए की बोली को मंजूरी दी। सीओसी की दलील थी कि केवल बोली का आकार ही निर्णायक नहीं होता। अग्रिम नकद भुगतान, भुगतान की निश्चितता, क्रियान्वयन क्षमता और समयबद्धता भी महत्वपूर्ण होती है।

वेदांता ने आरोप लगाया कि अधिक मूल्य वाली बोली को दरकिनार कर दिया गया जिससे मूल्य अधिकतमकरण के सिद्धांत की अनदेखी हुई। मामला राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण गया। लेकिन वहां से वेदांता समूह को कोई राहत नहीं मिली। फिर सुप्रीम कोर्ट ने भी अधिग्रहण की प्रक्रिया पर रोक लगाने से यह कहते हुए इंकार कर दिया कि यह मामला पूर्णतः वाणिज्यिक बुद्धिमत्ता का है। इस कहानी में सबसे बड़ा मोड़ 2 जून को तब आया जब प्रवर्तन निदेशालय ने वेदांता समूह से जुड़े परिसरों पर छापामारी की। एजेंसी का दावा है कि विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम के संभावित उल्लंघन और विदेशी भुगतान से जुड़े कुछ मामलों की जांच की जा रही है। दूसरी ओर विपक्षी दलों और आलोचकों ने इस कार्रवाई की टाइमिंग पर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि अडानी समूह के सामने खड़े होने वाले कारोबारी समूहों पर अक्सर सरकारी एजेंसियां सक्रिय हो जाती हैं। हालांकि जब तक कोई अदालत, कोई आधिकारिक जांच रिपोर्ट और कोई सार्वजनिक दस्तावेज यह साबित नहीं करता कि ईडी की कार्रवाई का सीधा संबंध जेपी अधिग्रहण विवाद से है, इसे तथ्य नहीं बल्कि राजनीतिक आरोप के रूप में ही देखा जाना चाहिए। लेकिन असली सवाल इससे भी बड़ा है जो भारतीय दिवाला कानून 2016 पर उंगली उठाता है। यदि कोई कंपनी अधिक मूल्य की बोली लगाती है, तो क्या उसे केवल इसलिए नकारा जा सकता है क्योंकि दूसरी कंपनी अधिक अग्रिम नकद भुगतान और बेहतर निष्पादन क्षमता का दावा कर रही है? इसलिए आज जेपी मामला केवल एक दिवालिया कंपनी की बिक्री का नहीं है। यह भारत में कॉर्पोरेट शक्ति, बैंकिंग निर्णयों, दिवाला कानून की व्याख्या और जांच एजेंसियों की निष्पक्षता पर उठ रहे सवालों का संगम बन चुका है। आने वाले वर्षों में यह केस भारतीय कॉर्पोरेट इतिहास के सबसे चर्चित उदाहरणों में गिना जाएगा, क्योंकि यहां दांव पर केवल एक कंपनी नहीं बल्कि हजारों करोड़ रुपये की परिसंपत्तियां, उद्योग जगत की प्रतिष्ठा और व्यवस्था पर जनता का भरोसा लगा हुआ है। सबसे बड़ा सवाल यह नहीं है कि ईडी ने वेदांता समूह के दफ्तरों पर दस्तक क्यों दी? असली सवाल यह है कि अडानी-वेदांता की बहुचर्चित कॉर्पोरेट जंग और उसके तुरंत बाद हुई ईडी की कार्रवाई की टाइमिंग पर उठते सवालों के जवाब कौन देगा?

अडानी की खिलाफत करने वालों की दलील और मिसालें

सोशल मीडिया पर अडानी के खिलाफ जारी मुहिम में जो उदाहरण गिनाए जा रहे हैं उनमें कई संयोग और प्रयोग दिखते हैं। मसलन सीबीआई का एनडीटीवी पर छापा, अडानी ने एनडीटीवी में बड़ी हिस्सेदारी खरीदी। सीबीआई ने अंबुजा सीमेंट पर छापा मारा, अंबुजा सीमेंट को अडानी समूह ने खरीदा। ईडी ने जीवीके पर छापा मारा, अडानी ने मुंबई एयरपोर्ट खरीदा। आयकर विभाग ने क्विंट पर छापा मारा, क्विंट को अडानी ने खरीदा। आयकर विभाग की नैल्लोर कृष्णापटनम पोर्ट पर छापेमारी, अडानी ने उसे भी खरीदा। सवाल उठ रहे हैं कि अब जेपी एसोसिएट के बाद क्या अगली बारी वेदांता समूह की खरीदी की है?

न्यूज विंडो

बेंगलुरु एयरपोर्ट पर मुंबई जा रही फ्लाइट से टकराया पक्षी

बेंगलुरु। बेंगलुरु एयरपोर्ट पर उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब उड़ान से पहले इंडिगो की फ्लाइट से एक पक्षी टकरा गया। घटना आज सुबह हुई, जिसके बाद, पायलट ने एहतियाती जांच के लिए तुरंत विमान को वापस ले लिया। इंजीनियरों ने जांच की और विमान को उड़ान भरने के लिए मंजूरी दे दी। करीब एक घंटे से ज्यादा की देरी के बाद फ्लाइट ने अपनी यात्रा फिर से शुरू की। आम तौर पर ऐसी घटनाओं के बाद विमान को रोककर उसकी पूरी जांच करने और फिर रवाना करने के ही नियम हैं जिनका पालन किया गया।

फिरोजपुर में पिकअप- ट्रॉली की टक्कर में 9 की मौत

फिरोजपुर। पंजाब के फिरोजपुर में फाजिल्का रोड पर आज सुबह एक पिकअप गाड़ी और घोड़ा ट्राला के बीच हुई आमने-सामने की भीषण टक्कर में 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों में कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार पिकअप गाड़ी में सवार लोग परिजन की अस्थियां विसर्जित करने के लिए जा रहे थे। यात्रा के दौरान जब वाहन जंगा वाले मोड़ के पास पहुंचा तो सामने से आ रहे घोड़ा ट्राला के साथ उसकी जोरदार टक्कर हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भयानक थी कि पिकअप गाड़ी का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें बैठे कई लोग अंदर ही फंस गए।

हिमाचल में भूकंप के झटके रिक्टर स्केल पर 5 तीव्रता

शिमला। हिमाचल प्रदेश में भूकंप के कारण रातभर लोग दहशत में रहे हैं। देर रात 5 की तीव्रता के भूकंप के बाद दो बार फिर धरती हिली। तीनों का केंद्र चंबा जिले में ही रहा। पहला झटका काफी तेज था, जिस कारण कई जगह नुकसान भी हुआ है। जिला कांगड़ा के धर्मशाला में कई जगह घरों में दरारें आई हैं। पालमपुर के सिविल अस्पताल में रात को आए भूकंप से पुराने भवन की दूसरी मंजिल की छत को नुकसान हुआ। इस दौरान गनीमत रही कि मरीज सुरक्षित हैं।

आज का कार्टून

पहला शक्ति प्रदर्शन... हजारों कार्यकर्ता जुटे, फाउंडर अभिजीत दिपके भी मौजूद

जंतर - मंतर पर 'कॉकरोच' का हल्लाबोल शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांगा

कॉकरोच के खिलाफ हिट लेकर पहुंचे युवक को बाहर निकाला

नईदिल्ली. एजेंसी

सोशल मीडिया पर तेजी से लोकप्रिय हुई कॉकरोच जनता पार्टी ने शिक्षा व्यवस्था के खिलाफ बड़ा आंदोलन छेड़ दिया है। जंतर-मंतर पर हजारों प्रदर्शनकारी इसमें शामिल हैं और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो के नारे लगाए जा रहे हैं। प्रदर्शन करने वालों में ज्यादातर स्टूडेंट और युवा हैं। कुछ बुजुर्ग भी अपने बच्चों के साथ विरोध करने आए। इस बीच एक शख्स कॉकरोच के विरोध में हिट (कॉकरोच मारने वाला) लेकर आया। उसे बाहर कर दिया गया।

यह प्रदर्शन पार्टी के फाउंडर अभिजीत दिपके की अगुआई में हो रहा है। दिपके आज दिल्ली पहुंचे और आते ही समर्थकों से शांतिपूर्ण प्रदर्शन की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन संविधान की मर्यादा में रहकर होगा। दिपके ने लोगों से किताब और तिरंगा लेकर आने की अपील की। वह दिल्ली एयरपोर्ट से हाथ में डॉ अंबेडकर की आत्मकथा हाथ में लेकर निकले।

प्रदर्शन को देखते हुए दिल्ली में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अर्द्धसैनिक बलों की लगभग 40 कंपनियों को तैनात किया गया है। विभिन्न जिलों के संयुक्त पुलिस आयुक्तों, पुलिस उपायुक्तों, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्तों और सहायक पुलिस उपायुक्तों सहित वरिष्ठ अधिकारियों को सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी के लिए 'फील्ड ड्यूटी' सौंपी गई है। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने प्रदर्शन को समर्थन देते हुए कहा कि अगर अभिजीत के खिलाफ कोई कार्रवाई की जाती है, तो वह 6 हफ्ते का अनशन करेंगे।

उधर, पार्टी के फाउंडर दिपके के घर सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है। दिपके का घर महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर शहर के वलूज इलाके में है। पुलिस के अनुसार, दिपके के घर आने के बाद उनके घर के बाहर भीड़ जुटने की आशंका को देखते हुए सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

ऑनलाइन आंदोलन से शुरुआत

पार्टी ने आज ही प्रदर्शन के लिए अनुमति मांगी थी और दिल्ली पुलिस द्वारा से मिलने के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, 'भारत के संविधान के पूर्ण समर्थन के साथ, तिलचट्टे सुबह 10 बजे से जंतर-मंतर पर धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए अपना विरोध प्रदर्शन शुरू करेंगे।' उल्लेखनीय है कि पिछले महीने भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत द्वारा अदालत की सुनवाई के दौरान कुछ व्यक्तियों को कॉकरोच और परजीवी कहने पर कॉकरोच जनता पार्टी बनी और सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई। ऑनलाइन आंदोलन ने अब एक संगठित अभियान का रूप ले लिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इसके कांग्रेस, भाजपा और आम आदमी से भी ज्यादा फॉलोवर हो गए हैं।

गार्ड गोलीबारी मामला

पटना कोर्ट में सरेंडर करने पहुंचे खान सर

पटना. एजेंसी

फैजल खान उर्फ खान सर पर प्राथमिकी दर्ज होने के बाद भी पटना पुलिस उनको गिरफ्तार नहीं कर पाई थी। अब खान सर पटना सिविल कोर्ट पहुंच चुके हैं। वह सरेंडर करेंगे। कोर्ट में पेश होने के बाद उन्हें जेल भेज दिया जाएगा। इससे पहले आज सुबह तक पटना पुलिस की टीम खान सर के कोचिंग पहुंची तो छात्रों की भीड़ जुटने लगी थी।

आसाराम के आश्रम के पास बुलडोजर एक्शन

अहमदाबाद। आसाराम के आश्रम के पास बुलडोज़र एक्शन चल रहा है। 45 सौ वर्ग मीटर से ज्यादा की जमीन खाली करवाई जा रही है। इस ज़मीन की कीमत 500 करोड रुपये से ज्यादा है। आसाराम के मोटेरा आश्रम ट्रस्ट की तरफ से हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी, जिसके खारिज होने के बाद अहमदाबाद विकास प्राधिकरण ने ये एक्शन लिया है।

जेल में गिरिबाला की सुरक्षा की चिंता जालसाज कोमल पांडे की बैरक बदली

भोपाल. एजेंसी

त्विषा शर्मा मौत मामले में जेल में बंद पूर्व जिला जज गिरिबाला सिंह की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जेल प्रशासन ने एक कदम उठाया है। जेल अधिकारियों ने उनके द्वारा ही सजा सुनाई गई शिक्षा घोटाले की एक दोषी को उनकी पास की बैरकसे हटाकर दूसरे हिस्से में भेज दिया है।

जेल सूत्रों के मुताबिक, जेल प्रशासन ने किसी भी सुरक्षा चूक या प्रशासनिक जटिलता से बचने के लिए एहतियात के तौर पर कोमल पांडे को पूर्व जज की बैरक के पास से हटाया है। कोमल पांडे को गिरिबाला सिंह की अदालत ने ही एक मामले में दोषी ठहराया था। कोमल का नाम कथित मेडिकल एडमिशन धोखाधड़ी और जालसाजी से जुड़े मामलों में सामने आया था। साल 2013 में दर्ज मामले के अनुसार, कोमल पर एक परिवार से निजी मेडिकल कॉलेज में प्रवेश दिलाने का झांसा देकर 37 लाख रुपये की ठगी करने का आरोप था, जिसमें बाद में उसे दोषी ठहराया गया था। बाद में पुलिस जांच में सामने आया था कि कोमल ऐसी ठगी करने वाले गिरोह का हिस्सा थी। जेल प्रशासन इसलिए सतर्कता बरत रहा है कि सजा सुनाए जाने को लेकर किसी दुर्भावना के चलते अप्रिय घटना न हो।

अमेरिका ने ईरानी रडार साइट्स पर किया हमला

तेहरान/वॉशिंगटन। अमेरिका ने कहा है कि उसकी सेना ने गोरुक और केश्म आइलैंड पर ईरानी रडार साइट्स पर हमला किया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, पहले होर्मुज में ईरान के 4 अटैक ड्रोन मार गिराए गए, फिर आगे के हमले रोकने के लिए रडार साइट्स को निशाना बनाया गया। इसके जवाब में ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने कहा कि उसने होर्मुज स्ट्रेट के पास दुश्मन ठिकानों पर मिसाइल हमला किया। वहीं, ईरान ने कुवैत और बहरीन की ओर 7 बैलिस्टिक मिसाइलें दागी है।

तरुण चुघ और रजनीश अग्रवाल ने राज्यसभा के लिए भरा नामांकन

भोपाल. दोपहर मेट्रो

बीजेपी के राज्यसभा प्रत्याशी तरुण चुग और रजनीश अग्रवाल ने आज विधानसभा में नामांकन भरकर दाखिल कर दिया। इससे पहले प्रदेश भाजपा कार्यालय में विधायकों की बैठक हुई। इसमें दोनों प्रत्याशियों के अलावा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल भी थे। बैठक के बाद मुख्यमंत्री, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और दोनों उम्मीदवार भाजपा कार्यालय के शिव और हनुमान मंदिर पहुंचे। वहां पूजा अर्चना करने के बाद विधानसभा के लिए रवाना हो गए। इस दौरान उनके साथ 15 से ज्यादा कारों का काफिला रहा। नामांकन के दौरान विधानसभा में रिटर्निंग ऑफिसर के कक्ष के बाहर कई सीनियर विधायक बैठे थे। पूर्व मंत्री और खुरई से भाजपा विधायक भूपेंद्र सिंह ने कहा- पार्टी तीसरा कैंडिडेट लड़ाए तो भी हम जीतेंगे।

मेट्रो एंकर | बीस हजार किमी दूर से सर्जरी का रिकॉर्ड, भारत में बने रोबोट का इस्तेमाल

गुयाना में डॉक्टर, मरीज इंदौर में...रोबोटिक टेली-सर्जरी से हार्ट ऑपरेशन

नई दिल्ली/इंदौर, एजेंसी

मेडिकल साइंस का एक बड़ा चमत्कार भारत में हुआ है। क्या कोई डॉक्टर 20 हजार किलोमीटर दूर दूसरे देश में बैठकर भारत के मरीज का दिल खोलकर ऑपरेशन कर सकता है? विज्ञान ने इस नामुमकिन को मुमकिन कर दिखाया है। मशहूर सर्जन डॉ. सुधीर श्रीवास्तव ने गुयाना में बैठकर इंदौर के एक मरीज की सफल रोबोटिक हार्ट टेली-सर्जरी कर नया विश्व रिकॉर्ड बना दिया है। डॉक्टर जो भी हाथ से मूवमेंट कर रहे थे, रोबोट उसे उसी समय मरीज के शरीर पर कर रहा था।

यह दिल की बहुत नाजुक सर्जरी थी, लेकिन सब कुछ सफल रहा और मरीज अब ठीक है। इस हैरान कर देने वाले ऑपरेशन में भारत के ही बने एक खास रोबोट का इस्तेमाल हुआ। इसे दुनिया की

सबसे लंबी दूरी से की गई रोबोटिक हार्ट सर्जरी माना जा रहा है। डॉ. सुधीर ने बताया कि यह काम काफी मुश्किल था। इससे पहले भी वह 10 हजार किलोमीटर दूर से सर्जरी कर चुके हैं, इसलिए उन्हें थोड़ा अनुभव था। सर्जरी से पहले इंटरनेट, मशीन और नेटवर्क की कई बार जांच की गई ताकि बीच में कोई दिक्कत न आए। सर्जरी के लिए खास फाइबर इंटरनेट का इस्तेमाल किया गया था, ताकि नेटवर्क बीच में बंद न हो और कोई साइबर खतरा भी न हो।

डॉक्टर के अनुसार सबसे जरूरी मरीज का भरोसा होता है, क्योंकि मरीज एक जगह होता है और डॉक्टर हजारों किलोमीटर दूर। इतनी दूर से सर्जरी में सबसे बड़ा सवाल मरीज की सुरक्षा का होता है। इसे देखते हुए इंदौर में डॉक्टरों की एक पूरी टीम मौजूद थी। अगर किसी वजह से तकनीकी दिक्कत आती, तो वहां मौजूद डॉक्टर तुरंत सर्जरी संभाल लेते। इस सर्जरी में इस्तेमाल हुआ रोबोटिक सिस्टम भारत में बना है, जिसका नाम SSI Mantra है।

भविष्य में होंगे नए बेंचमार्क

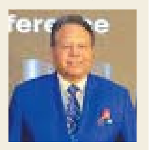

डॉ. सुधीर का कहना है कि उनका मकसद ऐसी तकनीक बनाना है जिससे गांव और दूर-दराज के इलाकों में भी अच्छे डॉक्टरों का इलाज पहुंच सके। यह सिर्फ शुरुआत है। आने वाले समय में दुनिया के किसी भी कोने में बैठे मरीज का इलाज दूर बैठे डॉक्टर कर सकेंगे। इससे क्षेत्रों के लोगों को सबसे ज्यादा फायदा होगा, जहां अच्छे डॉक्टर आसानी से नहीं पहुंच पाते। भारत में बना यह रोबोटिक सिस्टम अब कई देशों में इस्तेमाल हो रहा है। इस उपलब्धि के बाद भारत की तकनीक और डॉक्टरों की तारीफ दुनिया भर में हो रही है।

बारिश ने खोली मंडी तैयारी की पोलः करोंद गल्ला मंडी में भीगा हजारों क्विंटल गेहूं

भोपाल। राजधानी में हुई बारिश ने करोंद गल्ला मंडी में प्रशासन की व्यवस्थाओं की पोल खोलकर रख दी। बारिश के दौरान मंडी प्रांगण में खुले में रखा गेहूं भीग गया, जबकि मंडी परिसर की सड़कों और प्लेटफॉर्म पर पानी भर जाने से व्यापारियों और किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। जानकारी के अनुसार मानसून के पूर्व बारिश की आशंका के बावजूद मंडी प्रशासन द्वारा अनाज को सुरक्षित रखने के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए। परिणामस्वरूप खुले में रखी गेहूं की बोरियां और अनाज बारिश की चपेट में आ गए। किसानों और व्यापारियों का कहना है कि यदि समय रहते अनाज को सुरक्षित स्थान पर रखा जाता तो नुकसान से बचा जा सकता था। बारिश के बाद मंडी परिसर में कई स्थानों पर जलभराव की स्थिति बन गई। सड़कों पर पानी भरने से वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई और अनाज की लोडिंग-अनलोडिंग का कार्य भी बाधित रहा। मंडी में आने वाले किसानों को कीचड़ और जलभराव के बीच अपने उत्पाद लेकर पहुंचना पड़ा।

देश में दर्ज कुल मामलों का 13 प्रतिशत मध्यप्रदेश से

रिपोर्ट में खुलासा : हर दिन गायब हो रहे बच्चों में 40 से ज्यादा लड़कियां

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्य प्रदेश देश में लापता बच्चों के सबसे गंभीर संकट वाले राज्यों में शामिल हो गया है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की वर्ष 2024 की रिपोर्ट के अनुसार राज्य में 19,131 बच्चों के लापता होने के मामले दर्ज किए गए हैं। यह संख्या देश में दर्ज कुल मामलों का लगभग 13 प्रतिशत है। यानी देश में लापता बच्चों के हर आठ मामलों में से एक मामला मध्य प्रदेश से सामने आया है।

राज्य में यह संख्या वर्ष 2023 के 16,017 मामलों की तुलना में करीब 19.44 प्रतिशत अधिक है। बाल अधिकार संगठन क्राई (चाइल्ड राइट्स एंड यू) द्वारा किए गए विश्लेषण में सामने आया है कि मध्य प्रदेश में वर्ष 2024 के दौरान प्रतिदिन औसतन 52 बच्चे लापता हुए। इनमें करीब 42 लड़कियां थीं। रिपोर्ट के अनुसार लापता बच्चों में लड़कियों की हिस्सेदारी लगातार बढ़ी हुई है और कुल मामलों में उनका प्रतिशत लगभग 80 है। राज्य में वर्ष 2024 के दौरान 15,282 लड़कियों के लापता होने के मामले दर्ज किए गए। इसका अर्थ है कि हर 10

लापता बच्चों में से लगभग आठ लड़कियां हैं। वर्ष 2023 में भी यह अनुपात 78.3 प्रतिशत था। विशेषज्ञों का मानना है कि यह आंकड़ा किशोरियों की सुरक्षा और संरक्षण को लेकर गंभीर सवाल खड़े करता है।

इंदौर-भोपाल ज्यादा प्रभावित

जिला स्तर के आंकड़ों के अनुसार इंदौर में सबसे अधिक 1,124 मामले दर्ज किए गए। इसके बाद भोपाल में 726, जबलपुर में 613, सागर में 571, धार में 487 और खरगोन में 467 मामले सामने आए। आंकड़े बताते हैं कि यह समस्या केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण और अर्द्धशहरी क्षेत्रों में भी तेजी से फैल रही है। लगातार प्रयासों के बावजूद राज्य में 4,886 बच्चे अब भी खोजे नहीं जा सके हैं। हालांकि ट्रेसिंग दर में सुधार दर्ज किया गया है। वर्ष 2024 में ट्रेसिंग दर 74.5 प्रतिशत रही, जबकि 2023 में यह 69.8 प्रतिशत थी। इसके बावजूद लंबित मामलों की बड़ी संख्या चिंता बढ़ा रही है।

जेंडर-संवेदनशील नजरिया अपनाना बेहद जरूरी

एक व्यापक, समन्वित और लगातार प्रयास की जरूरत है जिसमें किशोरियों के लिए रोकथाम तंत्र को मजबूत करना, लंबे समय से लापता मामलों की बेहतर ट्रैकिंग सुनिश्चित करना और पुलिस तथा बाल संरक्षण तंत्र के बीच बेहतर तालमेल बनाना शामिल है। क्राई क्षेत्रीय निदेशक सोहा मोइत्रा ने बताया कि लड़कियों पर इसका असर कहीं ज्यादा है, इसलिए एक ठोस और जेंडर-संवेदनशील नजरिया अपनाना बेहद जरूरी है। केवल बच्चों को खोजने की व्यवस्था मजबूत करना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि ऐसे कारणों को भी रोकना होगा जिनकी वजह से बच्चे लापता हो रहे हैं।

राजधानी में पहली बार 'वेलोसिटी नाइट रन 2026'

आज शाम से आधी रात तक टीटी नगर स्टेडियम में दौड़ेंगे हजारों प्रतिभागी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल में फिटनेस और ऊर्जा का अनोखा संगम देखने को मिलेगा। रबीन्द्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी द्वारा आज पहली बार वेलोसिटी नाइट रन 2026 का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन टीटी नगर स्टेडियम में होगा, जो शाम 6.30 बजे शुरू होकर रात 12 बजे तक चलेगा। इसमें शहर ही नहीं बल्कि प्रदेशभर से बड़ी संख्या में रनर्स, फिटनेस प्रेमी और युवा भाग लेंगे।

रात्रिकालीन माहौल में आयोजित होने वाला यह रन भोपाल के खेल आयोजनों में एक नई पहल के रूप में सामने आ रहा है। स्टेडियम की रोशनी के बीच दौड़ते प्रतिभागी ऊर्जा, रोमांच और प्रतिस्पर्धा का अनूठा अनुभव करेंगे। आयोजन का उद्देश्य युवाओं में फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ाना, अनुशासन को प्रोत्साहित करना और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना है। इस नाइट रन में प्रतिभागियों के लिए 1 घंटे, 2 घंटे और 3 घंटे की अलग-अलग श्रेणियां निर्धारित की गई हैं, ताकि हर वर्ग के लोग अपनी क्षमता के अनुसार इसमें हिस्सा ले सकें। आयोजकों ने स्पष्ट किया है कि सभी प्रतिभागियों को रन शुरू होने से 30 मिनट पहले रिपोर्टिंग करना अनिवार्य होगा और लेट एंट्री स्वीकार नहीं की जाएगी।

प्रतियोगिता को सुव्यवस्थित और सुरक्षित बनाने के लिए ट्रैक पर विभिन्न रंगों की लेन निर्धारित की गई हैं। साथ ही स्टेडियम परिसर में विशेष फिटनेस और रनिंग जोन भी तैयार किए जा रहे हैं, जिससे प्रतिभागियों को बेहतर अनुभव मिल सके। विश्वविद्यालय की प्रो चांसलर डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स ने कहा कि वेलोसिटी नाइट रन केवल एक खेल आयोजन नहीं है, बल्कि यह युवाओं को फिट और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने का माध्यम है। ऐसे आयोजन युवाओं में आत्मविश्वास और अनुशासन को मजबूत करते हैं।

वहीं कुलसचिव डॉ. संगीता जौहरी ने कहा कि विश्वविद्यालय हमेशा विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए खेल और स्वास्थ्य से जुड़े आयोजनों को बढ़ावा देता रहा है। यह नाइट रन युवाओं में टीम स्पिरिट और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करेगा।

त्रिलंगा ऑरा मॉल क्षेत्र में शुरू हुआ नाला निर्माण कार्य

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

महापौर मालती राय ने वार्ड क्रमांक 51 के अंतर्गत त्रिलंगा के ओरा माल क्षेत्र का निरीक्षण कर जलभराव की समस्या का जायजा लिया। क्षेत्र की दुकानों में बारिश के दौरान पानी भरने की शिकायत मिलने पर महापौर स्वयं मौके पर पहुंचीं और स्थानीय नागरिकों व व्यापारियों से चर्चा की। नागरिकों ने बताया कि लोक निर्माण विभाग द्वारा सीमेंट-कंक्रीट सड़क का निर्माण तो करा दिया है, लेकिन नाले का निर्माण नहीं होने से पानी की निकासी प्रभावित हो रही है और दुकानों में पानी भर रहा है। इस पर महापौर ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को मौके पर बुलाकर नाला निर्माण कार्य शुरू कराया।

पूज्य सिंधी पंचायत के त्रिवार्षिक चुनाव

चेलानी बने मुख्य चुनाव अधिकारी

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

सिंधी समाज की प्रतिनिधि संस्था पूज्य सिंधी पंचायत के त्रिवार्षिक चुनाव जून महीने में होने जा रहे हैं। संस्था की साधारण सभा द्वारा इस बार चुनाव संपन्न कराने की जिम्मेदारी बसंत चेलानी को सौंपी गई है, जिन्हें आधिकारिक नियुक्ति पत्र दिया गया।

चुनाव को लेकर बदलाव और दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। पंचायत के वैध सदस्यों की अंतिम सूची 10 जून तक चुनाव अधिकारी को सौंप दी जाएगी। इस बार पंचायत में 10 के बजाय 12 पदों पर चुनाव होंगे, जिसमें एक सचिव और एक सहसचिव का पद बढ़ाया गया है। नियुक्ति पत्र के साथ ही चेलानी से जल्द से जल्द चुनाव का पूरा कार्यक्रम घोषित करने का आग्रह पंचायत पदाधिकारियों ने किया है।

नियुक्ति पत्र सौंपने के दौरान पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष माधू चांदवानी, महासचिव नंद दादलानी, उपाध्यक्ष भरत आसवानी व जगदीश आसवानी, सहसचिव जेठानंद मंगतानी, सहकोषाध्यक्ष माधव पारदासानी, ऑडिटर हरीश मेहरंचदानी, धर्मेन्द्र मोटवानी और कन्हैयालाल मोटवानी मुख्य रूप से उपस्थित थे।

नृत्य समारोहः 'भावानुभाव' की शुरुआत कृष्ण भक्ति से सराबोर हुईं प्रस्तुतियां

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

राजधानी के भारत भवन के अंतरंग मंच पर तीन दिवसीय नृत्य समारोह 'भावानुभाव' का शुभारंभ हुआ। पहले दिन कथक और भरतनाट्यम की मनोहारी प्रस्तुतियों के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण के विविध रूपों, लीलाओं और दार्शनिक स्वरूप को मंच पर साकार किया गया। कलाकारों की भावपूर्ण प्रस्तुतियों ने दर्शकों को भक्ति और सौंदर्य के अनूठे संसार से रूबरू कराया।

समारोह का आरंभ प्रसिद्ध कथक कलाकार करण गंगानी एवं उनके साथियों की प्रस्तुति 'वन्दे कृष्णं जगतगुरुं' से हुआ। सूरदास के पद 'नाचत सुधंग श्री नंद नंदन' से शुरू हुई प्रस्तुति में बालकृष्ण की चंचलता, शुद्ध कथक की लयबद्धता और 'बाजे रे मुरलिया बाजे' भजन पर कृष्ण की माधुर्य लीला का सुंदर चित्रण किया गया।

समापन 'यदा यदा हि धर्मस्य...' श्लोक के साथ हुआ। इसके बाद भरतनाट्यम नृत्यांगना श्वेता देवेंद्र और पद्मरंग नृत्य अकादमी की 30 नृत्यांगनाओं ने नृत्य-नाटिका 'माधव दर्शनम्' प्रस्तुत की। इसमें यशोदा-कृष्ण के वात्सल्य भाव, माखन चोरी, गोपियों के साथ कृष्ण की बाल लीलाएं तथा कालिया नाग दमन जैसे प्रसंगों का प्रभावी मंचन किया गया। नृत्य-नाटिका का समापन महारास के दिव्य दृश्य के साथ हुआ, जिसने दर्शकों को भावविभोर कर दिया।

समारोह के दूसरे दिन शनिवार शाम 7 बजे ओडिसी नृत्य शैली में 'गीत गोविन्दम' तथा कथक नृत्यांगना क्षमा मालवीय एवं समूह द्वारा अष्टपदी और नवरस की प्रस्तुति दी जाएगी।

जालसाजों ने भेजी एपीके फाइल

दवा कंपनी के अधिकारी और छात्रा फर्जीवाड़े का बने शिकार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

महाविद्यालय से उत्तीर्ण एक छात्रा और दवा कंपनी के एक अधिकारी शातिर जालसाजों के पैतरों का शिकार बन गए। दोनों के खातों से आरोपियों ने करीब तीन लाख 34 हजार रुपए झांसा देकर अपने खातों में भेज दिए।

पुलिस के अनुसार करीना यादव ग्राम इमलिया में रहती हैं। वह एक कॉलेज की छात्रा थी। उनकी छात्रवृत्ति आना बाकी थी। कुछ दिन पहले मोबाइल पर एक व्यक्ति ने संपर्क किया। उसने कॉलेज का विभागाध्यक्ष बताकर छात्रवृत्ति को लेकर बातचीत की। छात्रा ने जियो कंपनी में मोबाइल पोर्ट भी कराया। इसके बाद उसने वह नंबर पता किया जिससे वह यूपीआई चलाती हैं। उसे पता करने के बाद एक लिंक छात्रा को भेजी थी। जिसको क्लिक करने के बाद मोबाइल हैक हो गया। वह एपीके फाइल थी। जिसके बाद छात्रा के खाते में रखी 90 हजार रुपए की राशि निकाल ली। इधर, दूसरा शिकार अंकित शिवहरे को बनाया गया। वे दवा कंपनी में वरिष्ठ अधिकारी हैं। उनके पास 25 मई को फोन आया था। फोन करने वाले व्यक्ति ने सॉफ्टवेयर अपडेट करने का झांसा दिया। ऐसा करते ही उनके खाते से कई किस्त में दो लाख, 44 हजार रुपए निकल गए। वे बैंक पहुंचे तो मालूम हुआ कि उनके साथ सायबर फ्रॉड हुआ है। पुलिस ने दोनों मामलों में सायबर क्राइम से आई केस डायरी के बाद गुरुवार को जालसाजी के प्रकरण दर्ज कर लिए हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर साइकिल रैली से पौधरोपण तक दिया हरियाली का संदेश

भोपाल। विश्व पर्यावरण दिवस पर राजधानी में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था। जिसमें पौध रोपण सहित साइकिल रैली सहित जागरूकता कार्यक्रम अहम रहे हैं। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में पौधरोपण के साथ पर्यावरण संरक्षण विषयक परिचर्चा आयोजित की गई थी। जिसमें पर्यावरण संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया गया। समारोह में मुख्यअतिथि रही मालती राय ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसमें प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने नागरिकों से अधिकाधिक वृक्षारोपण करने तथा पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार व्यवहार अपनाने का आह्वान किया। वहीं पत्र सूचना कार्यालय के निदेशक मनीष गौतम ने पर्यावरण संरक्षण के लिए जनसहभागिता की आवश्यकता पर बल दिया है।

मेट्रो एंकर

एमपी पुलिस और लोक शिक्षण संचालनालय के बीच हुआ करार

हायर सेकेंड्री के पंद्रह लाख छात्रों को दी जाएगी शिक्षा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश सामुदायिक पुलिसिंग और स्कूल शिक्षा विभाग के बीच अहम करार हुआ है। इसमें पॉक्सो, ड्रग्स, सायबर क्राइम समेत आधा दर्जन से अधिक कानूनों की बारीकियों से बच्चों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य तय किया गया है। इस काम के लिए दोनों विभागों की तरफ से संयुक्त राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

तीन दिवसीय इस कार्यक्रम में 57 जिलों के पुलिस अधिकारी और स्कूल के शिक्षक मौजूद रहे। जानकारी के अनुसार सभी शिक्षकों की मदद से स्कूल में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को भारतीय संविधान,

मानवाधिकार एवं बाल अधिकार, किशोर न्याय अधिनियम, पॉक्सो अधिनियम, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, महिला अधिकार एवं सुरक्षा, सड़क सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, नारकोटिक्स एवं नशा उन्मूलन, पुलिस व्यवस्था एवं उसकी कार्यप्रणाली सहित अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर भी विशेषज्ञों ने प्रस्तुतीकरण के जरिए जानकारी दी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के बाद अब स्कूल में पहुंचकर बच्चों को ढ़ाई घंटे तक इसे बताया जाएगा। बच्चों को समझाने से पूर्व प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के सभी 57 जिलों से डीएसपी स्तर के अधिकारी, एक उप निरीक्षक स्तर के अधिकारी तथा एक्सीलेंस स्कूलों से दो-दो व्याख्याताओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस प्रकार पुलिस एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों को एक साझा मंच पर प्रशिक्षण प्रदान कर कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन की मजबूत आधारशिला तैयार की गई। 'जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद' के तहत मध्यप्रदेश पुलिस के सामुदायिक पुलिसिंग प्रभाग एवं लोक शिक्षण संचालनालय की एक महत्वाकांक्षी संयुक्त पहल है। इसका उद्देश्य कक्षा 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियों में कानून, अधिकारों, कर्तव्यों, सार्वजनिक सुरक्षा, लैंगिक समानता तथा जिम्मेदार नागरिकता के प्रति जागरूकता विकसित करना है। इसके जरिए विद्यार्थियों को न केवल कानूनी जानकारी प्रदान की जाएगी।

पर्यावरण संरक्षण और जल संवर्धन की दिशा में नवाचारों को मिला प्रोत्साहन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पर्यावरण संरक्षण, सर्कुलर इकॉनॉमी एवं जल संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों और उल्लेखनीय कार्यों पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस अवसर पर उन्होंने सतत विकास, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा हरित भविष्य के निर्माण में नवाचारों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। प्रदर्शनी में प्रदर्शित विभिन्न मॉडल और पहलें पर्यावरणीय चुनौतियों के समाधान की दिशा में प्रेरणादायक प्रयासों का उत्कृष्ट उदाहरण रहीं। मुख्यमंत्री ने इन नवाचारों की सराहना करते हुए समाज में पर्यावरण जागरूकता बढ़ाने और जनभागीदारी को सशक्त बनाने पर बल दिया।

परिवहन विभाग पोर्टल में करेगा तकनीकी बदलाव

मप्र में अब आवेदन के 2 घंटे बाद जारी होगा पार्टी परमिट, अवैध बसों पर कसेगा शिकंजा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में पार्टी परमिट की आड़ में किए जा रहे नियमित यात्री परिवहन पर रोक लगाने के लिए परिवहन विभाग बड़ा बदलाव करने जा रहा है। विभाग के ऑनलाइन पोर्टल में संशोधन की तैयारी चल रही है, जिसके बाद पार्टी परमिट के लिए आवेदन करने के तत्काल बाद परमिट जारी नहीं होगा। नई व्यवस्था के तहत आवेदन करने के कम से कम दो घंटे बाद ही पार्टी परमिट जारी किया जाएगा। परिवहन आयुक्त द्वारा इसके निर्देश दिए जा चुके हैं और जल्द ही यह व्यवस्था लागू होगी।

वर्तमान में प्रदेश के कई जिलों में यात्री वाहन संचालक कार्रवाई से बचने के लिए ऑनलाइन पार्टी परमिट का दुरुपयोग कर रहे हैं। जांच या चेकिंग की सूचना मिलते ही वाहन चालक तत्काल ऑनलाइन आवेदन कर पार्टी परमिट प्राप्त कर लेते हैं और अधिकारियों को दस्तावेज दिखाकर कार्रवाई से बच जाते हैं। इसी खामी को दूर करने के लिए विभाग अब पोर्टल में तकनीकी बदलाव करने जा रहा है।

भिंड-ग्वालियर मार्ग पर लंबे समय से उठ रहा था मुद्दा

भिंड से ग्वालियर के बीच प्रतिदिन करीब 80 यात्री बसों का संचालन होता है। इनमें लगभग 30 बसें ऐसी बताई जा रही हैं, जिनके पास इस मार्ग का नियमित रूट परमिट नहीं है। इसके बावजूद ये बसें नियमित रूप से सवारियां लेकर परिवहन कर रही हैं। जब भी पुलिस और परिवहन विभाग द्वारा संयुक्त कार्रवाई की जाती है, तब कई वाहन चालक पार्टी परमिट का सहारा लेकर कार्रवाई से बचने का प्रयास करते रहे हैं। परिवहन नियमों के अनुसार पार्टी परमिट केवल किसी विशेष समूह, संस्था, धार्मिक यात्रा, विवाह समारोह, शैक्षणिक भ्रमण या पूर्व निर्धारित बुकिंग के लिए जारी किया जाता है। इस परमिट के आधार पर नियमित यात्री परिवहन या रास्ते में सवारियां बैठाकर व्यावसायिक संचालन की अनुमति नहीं होती। इसके बावजूद कई वाहन संचालक इसका उपयोग नियमित बस सेवा की तरह कर रहे हैं।

दो से अधिक बच्चे तो नहीं मिल सकेगी सरकारी नौकरी

मप्र सिविल सेवा के नए नियम, प्रोबेशन के 6 माह बाद कोई एक्शन नहीं तो ऑटो परमानेंट होंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश सरकार सिविल सेवा नियमों में बड़ा बदलाव करने जा रही है। सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने मध्य प्रदेश सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम, 2026 का नया मसौदा (ड्राफ्ट) जारी कर दिया है। इसकी सबसे बड़ी बात यह है कि सरकारी नौकरी के लिए दो से अधिक बच्चों की पाबंदी को बरकरार रखा गया है, जबकि पिछले साल खुद GAD ने ही इस पाबंदी को हटाने का प्रस्ताव तैयार किया था, जिसे मुख्यमंत्री की सैद्धांतिक सहमति भी मिल गई थी, लेकिन नए नियमों में सरकार इस फैसले से पलट गई है। बता दें 24 साल पहले साल 2001 में प्रदेश की तत्कालीन दिग्विजय सिंह सरकार ने मध्य प्रदेश सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम, 1961 में संशोधन करते हुए यह प्रतिबंध लागू किया था।

क्या कहता है दो बच्चों वाला नियम?- नए ड्राफ्ट के नियम 5 और 6 के तहत पात्रता और अपात्रता की शर्तें तय की गई हैं। इसके अनुसार- कोई भी उम्मीदवार जिसकी दो से अधिक जीवित संतानें हैं और उनमें से किसी एक का जन्म 26 जनवरी 2001 को या उसके बाद हुआ है, वह सरकारी नौकरी के लिए पात्र नहीं होगा।

जुड़वां बच्चों का मामल: यदि किसी का पहले से एक बच्चा है और अगले प्रसव (डिलीवरी) में जुड़वां या उससे ज्यादा बच्चे होते हैं तो वह अपात्र माना जाएगा।

प्रोबेशन और सीनियरिटी के नए फॉर्मूले

सरकार कर्मचारियों की भर्ती, प्रोबेशन और सीनियरिटी से जुड़े नए नियम भी ला रही है। ये राज्य की अधिकांश सरकारी सेवाओं पर लागू होंगे। नए नियमों के तहत अब अगर कोई कर्मचारी प्रोबेशन पीरियड पर है और अवधि समाप्त होने के 6 महीने के भीतर विभाग उसके स्थायीकरण पर कोई निर्णय नहीं लेता तो उसे ऑटौमेटिकली स्थायी मान लिया जाएगा।

यदि एक ही साल में सीधी भर्ती, अनुकंपा नियुक्ति और प्रमोशन) से लोग आते हैं तो सीनियरिटी सबसे पहले सीधी भर्ती वाले को, फिर अनुकंपा और आखिर में प्रमोशन वाले को मिलेगी, लेकिन यदि तीनों का नियुक्ति आदेश एक ही तारीख को निकलता है, तो प्रमोटेड व्यक्ति सबसे सीनियर माना जाएगा। इसके बाद सीधी भर्ती और फिर अन्य का नंबर आएगा।

हर साल अपडेट होगी ग्रेडेशन लिस्ट: हर साल 1 जनवरी की स्थिति में 31 मार्च तक कर्मचारियों की नई ग्रेडेशन लिस्ट अपडेट की जाएगी।

इन 4 परिस्थितियों में भी नौकरी के लिए होंगे अयोग्य

एक से अधिक जीवनसाथी: यदि किसी व्यक्ति का एक से अधिक जीवित जीवनसाथी है, तो वह अपात्र होगा (विशेष मामलों में छूट संभव)।

मेडिकल अनफिट: शारीरिक या मानसिक रूप से अनफिट पाए जाने पर नियुक्ति नहीं होगी।

चारित्रिक दाग: नैतिक अधोपतन या चारित्रिक मामलों से जुड़े अपराध में दोषी पाए जाने पर नौकरी नहीं मिलेगी।

बर्खास्त कर्मचारी: केंद्र, राज्य या स्थानीय निकाय से नौकरी से हटाए गए लोग अपात्र होंगे।

एफआईआर वाले नियम पर उठा विवाद

मंत्रालय अधिकारी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सुधीर नायक ने ड्राफ्ट के एक नियम पर आपत्ति जताई है। नियम के मुताबिक, यदि किसी उम्मीदवार के खिलाफ कोई आपराधिक मामला लंबित है, तो अंतिम फैसला आने तक उसकी जॉइनिंग रोक दी जाएगी। मंत्रालय अधिकारी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सुधीर नायक के मुताबिक– मारे देश में किसी को परेशान करने के लिए भी झूठी एफआईआर दर्ज करा दी जाती है और कोर्ट से फैसला आने में सालों लग जाते हैं। ऐसे में निर्दोष होने पर भी व्यक्ति लंबे समय तक नौकरी से वंचित रह जाएगा, जो कि गलत है।

जीएडी की वेबसाइट पर 15 जून तक दे सकते हैं सुझाव

GAD के अपर सचिव अजय कटेसरिया के अनुसार, इस नए मसौदे पर कर्मचारी संगठनों और आम जनता से सुझाव मांगे गए हैं। 15 जून तक GAD की वेबसाइट पर राय दी जा सकती है। सुझावों के बाद फाइनल ड्राफ्ट कैबिनेट की मंजूरी के लिए जाएगा और यह नियम इसी साल जुलाई से लागू हो सकते हैं।

अब 15 जून तक जुड़ेंगे-हटेंगे वोटर आईडी में नाम, आयोग ने बढ़ाई डेट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

नगरीय निकायों और त्रिस्तरीय पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण कार्यक्रम में राज्य निर्वाचन आयोग ने संशोधन किया है। अब मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने अथवा संशोधन के लिए 15 जून तक आवेदन किए जा सकेंगे।

8 जुलाई को होगा मतदाता सूची का प्रकाशन– राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी संशोधित कार्यक्रम के अनुसार प्राप्त दावों और आपत्तियों का निराकरण 25 जून तक किया जाएगा। इसके बाद सभी प्रक्रियाएं पूर्ण कर अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 18 जुलाई को किया जाएगा। राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज श्रीवास्तव ने सभी कलेक्टरों एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि संशोधित कार्यक्रम के अनुसार मतदाता सूची पुनरीक्षण की सभी प्रक्रियाओं का समयबद्ध और प्रभावी ढंग से पालन सुनिश्चित किया जाए।

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के भरोसे है संग्रहालय

खरगोन में 210 दुर्लभ प्रतिमाएं संरक्षण के अभाव में खा रहीं धूल, केमिकल ट्रीटमेंट के लिए नहीं बजट

खरगोन, दोपहर मेट्रो

नगर के खरगोन रोड स्थित ऊंची पहाड़ी पर बना जिला पुरातत्व संग्रहालय एक बार फिर अव्यवस्थाओं को लेकर चर्चा में है। सरदार सरोवर बांध के डूब क्षेत्र से प्राप्त 210 दुर्लभ व ऐतिहासिक प्रतिमाओं को संरक्षित रखने के उद्देश्य से स्थापित यह संग्रहालय वर्षों से संसाधनों की कमी से जूझ रहा है।

यहां प्रतिमाओं के वैज्ञानिक संरक्षण के लिए जरूरी केमिकल ट्रीटमेंट अब भी बजट के अभाव में अटका हुआ है। वर्ष 2003 में शुरू हुए इस संग्रहालय में धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व की सैकड़ों प्रतिमाएं संरक्षित हैं। बावजूद इसके संरक्षण और रखरखाव की व्यवस्था बेहद कमजोर बनी हुई है। पुरातत्व विभाग के सूत्रों के अनुसार प्रतिमाओं के संरक्षण संबंधी प्रस्ताव तैयार है, लेकिन स्वीकृति और बजट मिलने का इंतजार किया जा रहा है।

हैरानी की बात यह है कि जिले की इस महत्वपूर्ण धरोहर की देखरेख पिछले एक दशक से अधिक समय से एक ही कर्मचारी के भरोसे चल रही है। संग्रहालय में पुरातत्व विभाग का केवल एक कर्मचारी पदस्थ है, जबकि सुरक्षा व्यवस्था आउटसोर्स कर्मचारियों के सहारे संचालित हो रही है।संग्रहालय तक पहुंचने वाला मार्ग भी पर्यटकों के लिए परेशानी का कारण बन गया है। पहाड़ी पर जाने वाली सड़क जगह-जगह उखड़ चुकी है। दोपहिया वाहन चढ़ाई के दौरान फिसलने का खतरा बना रहता है। यहां बाइक फिसलने की दो घटनाएं सामने आ चुकी हैं। बाहर से आए पर्यटक गणेश चौहान ने बताया कि संग्रहालय जाते समय उनकी बाइक का अगला पहिया फिसल गया, जिससे हादसा होते-होते बचा।

अंधेरे में डूबा संग्रहालय परिसर

जिला पुरातत्व संग्रहालय और समीप स्थित एनवीडीए रेस्ट हाउस तक जाने वाला मार्ग रात में अंधेरे में डूबा रहता है। विद्युत पोल लगे होने के बावजूद स्ट्रीट लाइट बंद पड़ी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार शिकायतें करने के बाद भी समस्या जस की तस बनी हुई है। जानकारी के अनुसार संग्रहालय में लंबे समय से लंबित विकास कार्यों को अब पर्यटन विकास विभाग के माध्यम से आगे बढ़ाने की तैयारी की जा रही है। विभागीय स्तर पर निर्माण और मरम्मत कार्यों का विस्तृत स्टीमेट तैयार कर लिया गया है, लेकिन स्वीकृति की प्रक्रिया अब भी अधूरी है।

अंतरराष्ट्रीय कैनो चैंपियनशिप में मध्यप्रदेश के 7 खिलाड़ियों का चयन

भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य वाटर स्पोर्ट्स अकादमी, भोपाल के खिलाड़ियों ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा और उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। तुर्किस्तान, कजाकिस्तान में आयोजित 2026 एशियन कैनो स्प्रिंट जूनियर और 23 चैंपियनशिप एवं 2026 एशियन पैराकेनो चैंपियनशिप के लिए मध्यप्रदेश अकादमी के 7 खिलाड़ियों का भारतीय दल में चयन हुआ है। इनमें कैनो स्प्रिंट वर्ग से संतोष सिंह, प्रिंस गोस्वामी, दीपिक देमार, डैली बिश्नोई और निहारिका सिंह तथा पैरा कैनो वर्ग से प्राची यादव और मनीष कुराव शामिल हैं। चयनित टीम के साथ कोच कैप्टन पीजुष बरोई भी दल के साथ रहेंगे। एशिया की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश राज्य वाटर स्पोर्ट्स अकादमी के खिलाड़ियों का चयन प्रदेश में विकसित हो रही उत्कृष्ट खेल संस्कृति और उच्च स्तरीय प्रशिक्षण व्यवस्था का प्रमाण है।

राजधानी भोपाल में बन रही है मेगा एआई और नॉलेज सिटी

ढाई साल में धरातल पर आया 8.63 लाख करोड़ रु. का निवेश, अब रक्षा उत्पादों और आईटी का बनेगा हब

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में ढाई साल की डॉ. मोहन यादव सरकार में 32.95 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आए, इसमें से 8.63 लाख यानी (28 प्रतिशत) निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतरे। इनसे लाखों युवाओं के लिए रोजगार भी सृजित हुए हैं।

अब मध्य प्रदेश रक्षा उत्पाद और आईटी का हब बनने की ओर अग्रसर है। दो माह पूर्व ही अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस के ग्वालियर प्लांट ने भारतीय सेना को 7.62 एमएम की 2,000 %प्रहार% लाइट मशीन गन की पहली खेप डिलीवर की है। रक्षा क्षेत्र में निवेश पर प्रोत्साहन से लेकर रक्षा उत्पादों के निर्यात में भी राज्य सरकार सहायता दे रही है। स्टार्टअप और रक्षा

उत्पाद की कोई बेहतर तकनीक को प्रोत्साहित किया जा रहा है। निर्यात के लिए उत्पाद परीक्षण को सरल कर इसकी शुल्क सीमा भी घटा दी गई है। किसी व्यक्ति के पास किसी नए रक्षा उत्पाद का आइडिया है तो चयन होने पर उसे 25 करोड़ रुपये तक की सहायता बतौर प्रोत्साहन दी जाएगी। इसी तरह प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों में आईटी पार्क डेवलप किए जा रहे हैं। भोपाल में मौजूदा आईटी पार्कों का विस्तार कर इसे देश का सबसे बड़ा मेगा एआइ और नॉलेज सिटी भी बनाया जा रहा है। इंदौर में आइटी पार्क के लिए भूमि आरक्षित की गई है। मध्य प्रदेश में वर्तमान में 1,200 से अधिक टेक स्टार्टअप्स और लगभग 500 से अधिक छोटी-बड़ी आईटी कंपनियां काम कर रही हैं।

रक्षा क्षेत्र के लिए 2700 हेक्टेयर से अधिक लैंड बैंक

सागर, कटनी, रतलाम, सतना और मुरैना सहित आठ जिलों में रक्षा उत्पादन क्षेत्र के लिए 2700 हेक्टेयर से अधिक लैंड बैंक उपलब्ध है। भौगोलिक स्थिति और सहयोगी इको सिस्टम के कारण मध्य इसके लिए सबसे उपयुक्त राज्य है। धार के पीएम मित्रा पार्क में भी रक्षा क्षेत्र से जुड़े निवेश प्रस्ताव बुलाए गए हैं। सरकार की निवेश नीतियों के तहत डीपीआर बनाकर निवेशकों को इकाई लगाने तुरंत जमीन दी जाएगी। जबलपुर में व्हीकल फैक्ट्री और गन कैरिज फैक्ट्री जैसे रक्षा इको सिस्टम पहले से मौजूद हैं।

मिशन वात्सल्य को नई ताकत | बाल अधिकारों की सुरक्षा को मजबूत बनाने की पहल

भोपाल में बाल संरक्षण के लिए शुरू हुआ राष्ट्रीय प्रशिक्षण अभियान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बाल संरक्षण व्यवस्था को अधिक प्रभावी और संवेदनशील बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के मार्गदर्शन में सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास संस्थान, नई दिल्ली द्वारा बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के अध्यक्षों और सदस्यों के लिए 13 दिवसीय आवासीय मूलभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण आर.सी.वी.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी, भोपाल में आयोजित हो रहा है।

चार चरणों में होगा राष्ट्रीय प्रशिक्षण

राष्ट्रीय स्तर के इस कार्यक्रम को चार अलग-अलग बैचों में आयोजित किया गया है, जिसमें मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से कुल 134 प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। प्रथम बैच का प्रशिक्षण 1 जून 2026 से शुरू हो चुका है, जिसमें 36 प्रतिभागी शामिल हैं। इसके बाद दूसरा बैच 29 जून से 11 जुलाई, तीसरा बैच 20 जुलाई से 1 अगस्त तथा चौथा और अंतिम बैच 5 अक्टूबर से 17 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किया जाएगा। इन बैचों में क्रमशः 33, 33 और 32 प्रतिभागी प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।

विशेषज्ञों की देखरेख में मिल रहा व्यावहारिक प्रशिक्षण– प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन संस्थान की उपसंचालक एवं कोर्स डायरेक्टर श्रीमती नवीदा खातून की निगरानी में किया जा रहा है। अनुभवी विशेषज्ञ और प्रशिक्षक प्रतिभागियों को बाल संरक्षण से जुड़े कानूनी, प्रशासनिक और व्यवहारिक पहलुओं की विस्तृत जानकारी दे रहे हैं।

कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण (छ्रक्र) की मुख्य कार्यकारी अधिकारी भावना सक्सेना ने कहा कि इस प्रकार के व्यापक प्रशिक्षण से बाल कल्याण समितियों के पदाधिकारी बच्चों के सर्वोत्तम हित में अधिक संवेदनशील, जवाबदेह और कानूनसम्मत निर्णय लेने में सक्षम होंगे। उन्होंने इसे बाल अधिकारों की सुरक्षा और संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया।

कई जिलों के प्रतिनिधि हुए शामिल

प्रथम बैच में अनूपपुर, अशोकनगर, बड़वानी, भोपाल, बुरहानपुर, दमोह, दतिया, देवास, डिंडौरी, गुना, हरदा, नर्मदापुरम, इंदौर, खंडवा, मंडला, बालाघाट, रायसेन, सीहोर और विदिशा सहित विभिन्न जिलों की बाल कल्याण समितियों के अध्यक्ष और सदस्य शामिल हुए हैं। प्रशिक्षण के माध्यम से उन्हें किशोर न्याय अधिनियम, दत्तक ग्रहण कानून, बाल संरक्षण योजनाओं और बच्चों के अधिकारों से जुड़े विभिन्न विषयों में दक्ष बनाया जा रहा है, ताकि प्रदेश में बाल संरक्षण व्यवस्था को और अधिक मजबूत तथा प्रभावी बनाया जा सके।

कुछ नहीं बदला

दुनिया की अर्थव्यवस्था इस समय एक ऐसे समुद्र में तैर रही है, जहां हर दिशा में अनिश्चितता की लहरें उठ रही हैं। कहीं युद्ध की आशंकाएं हैं, कहीं ऊर्जा संकट का खतरा है, तो कहीं महंगाई फिर से सिर उठाने की कोशिश कर रही है। ऐसे दौर में जब अधिकांश देश अपनी आर्थिक नीतियों के जरिए तूफान से बचने का रास्ता तलाश रहे हैं, भारत के केंद्रीय बैंक ने एक अलग संदेश दिया है-घबराने की नहीं, संतुलन बनाए रखने की जरूरत है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर स्थिर रखने का निर्णय पहली नजर में सामान्य लग सकता है। लेकिन अर्थव्यवस्था की भाषा में कभी-कभी स्थिरता भी एक बड़ा फैसला होती है। यह उस कप्तान का निर्णय है जो समुद्र में उठती लहरों को देखकर जहाज की दिशा बार-बार बदलने के बजाय उसे संतुलित गति से आगे बढ़ाना बेहतर समझता है। बीते कुछ वर्षों में दुनिया ने देखा है कि किस तरह महंगाई ने विकसित और विकासशील दोनों अर्थव्यवस्थाओं को चुनौती दी। कई देशों के केंद्रीय बैंक ब्याज दरों को लगातार बढ़ाने के लिए मजबूर हुए। भारत ने भी अपने स्तर पर कदम उठाए, लेकिन आज स्थिति कुछ अलग है। यहां महंगाई फिलहाल नियंत्रण के दायरे में दिखाई दे रही है और आर्थिक गतिविधियां भी अपेक्षाकृत मजबूत बनी हुई हैं। यही कारण है कि रिजर्व बैंक ने फिलहाल ब्याज दरों में किसी नए बदलाव से दूरी बनाई है। इस फैसले का सबसे सीधा असर आम लोगों पर पड़ता है। जिन परिवारों ने घर, वाहन या कारोबार के लिए ऋण लिया है, उनके लिए यह राहत की खबर है। ईएमआई का बोझ फिलहाल नहीं बढ़ेगा और आर्थिक योजनाओं में स्थिरता बनी रहेगी। लेकिन इस फैसले का महत्व केवल ऋण लेने वालों तक सीमित नहीं है। यह उद्योगों, निवेशकों और बाजारों के लिए भी एक संकेत है कि भारतीय अर्थव्यवस्था अभी भी आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रही है। हालांकि तस्वीर का दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है। रिजर्व बैंक ने भविष्य की महंगाई को लेकर अपने अनुमान बढ़ाए हैं। इसका अर्थ है कि चुनौतियां पूरी तरह समाप्त नहीं हुई हैं। खाद्य पदार्थों की कीमतें, वैश्विक तेल बाजार और पश्चिम एशिया के तनाव जैसे कारक आने वाले महीनों में नई मुश्किलें पैदा कर सकते हैं। इसलिए यह स्थिरता स्थायी नहीं, बल्कि परिस्थितियों के अनुसार लिया गया एक सतर्क निर्णय है।

मालवीय नगर होटल का अग्निकांड... जवाबदेही और सुधार से बचेगी ज़िंदगी

डॉ. सत्यवान सौरभ
स्तंभकार

दिल्ली के मालवीय नगर स्थित एक होटल में 3 जून को लगी भीषण आग ने पूरे देश को झकझोर दिया। इस दर्दनाक हादसे में 21 लोगों की मौत और अनेक लोगों के घायल होने की खबर ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया। आग की लपटों से बचने के लिए लोगों को ऊँची इमारत से कूदते हुए देखा गया। सोशल मीडिया और समाचार माध्यमों में प्रसारित हुए दृश्य किसी भी संवेदनशील व्यक्ति के लिए अत्यंत पीड़ादायक थे। यह केवल एक दुर्घटना नहीं थी; यह उस व्यवस्था की विफलता का भयावह प्रमाण थी जो नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई है।

हर बड़ी दुर्घटना के बाद कुछ दिन तक शोक, संवेदना, जांच और मुआवजे की घोषणाएं होती हैं। फिर धीरे-धीरे मामला सार्वजनिक स्मृति से ओझल हो जाता है। लेकिन मालवीय नगर की यह त्रासदी केवल शोक व्यक्त कर भुला देने योग्य घटना नहीं है। यह उन गहरे संरचनात्मक दोषों की ओर संकेत करती है जो भारत के महानगरों में तेजी से बढ़ते शहरीकरण के साथ और अधिक खतरनाक रूप धारण कर चुके हैं। यह हादसा हमें मजबूर करता है कि हम पूछें- क्या हमारी इमारतें वास्तव में सुरक्षित हैं? क्या अग्नि सुरक्षा नियम केवल कागजों तक सीमित हैं? क्या प्रशासन की भूमिका केवल दुर्घटना के बाद राहत बांटने तक सीमित रह गई है?

किसी भी बहुमंजिला इमारत में आग लगने की स्थिति में सबसे महत्वपूर्ण तत्व होता है- सुरक्षित निकास, अग्निशमन उपकरण और समय पर बचाव। यदि किसी भवन में मौजूद लोगों को अपनी जान बचाने के लिए खिड़कियों और बालकनियों से छलांग लगानी पड़े, तो इसका अर्थ है कि सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह विफल हो चुकी थी। आग केवल भवन को नहीं जलाती, वह सुरक्षा संबंधी दावों और प्रशासनिक तैयारियों की वास्तविकता भी उजागर कर देती है। मालवीय नगर की घटना में यही हुआ। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, होटल में कई विदेशी नागरिक भी ठहरे हुए थे। यह तथ्य इस त्रासदी को और गंभीर बना देता है। भारत की राजधानी दुनिया भर के पर्यटकों, व्यापारियों और निवेशकों का स्वागत करती है। ऐसे में यदि राजधानी में ही सुरक्षा मानकों की स्थिति इतनी कमजोर हो कि विदेशी नागरिक भी असुरक्षित महसूस करें तो यह केवल स्थानीय प्रशासन की विफलता नहीं बल्कि देश की अंतरराष्ट्रीय छवि पर भी प्रश्नचिह्न है। आधुनिक महानगर की पहचान केवल ऊँची इमारतों और चमकदार होटलों से नहीं होती बल्कि वहाँ उपलब्ध सुरक्षा और आपदा प्रबंधन प्रणाली से होती है। इस घटना के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शोक व्यक्त किया तथा मृतकों और घायलों के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा की। ऐसी संवेदनाएं आवश्यक हैं और संकट की घड़ी में पीड़ित परिवारों को सहायता मिलनी भी चाहिए। किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि मुआवजा किसी खोए हुए जीवन को वापस नहीं ला सकता। आर्थिक सहायता दुख की तीव्रता को कम नहीं कर सकती। किसी परिवार का सदस्य, किसी बच्चे का पिता, किसी माता-पिता की संतान या किसी व्यक्ति का जीवनसाथी एक रकम से प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता। इसलिए वास्तविक प्रश्न मुआवजे का नहीं बल्कि रोकथाम का है। दिल्ली पुलिस द्वारा होटल मालिक के विरुद्ध गैर-इरादतन हत्या से संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज किया जाना यह संकेत देता है कि जांच एजेंसियां इस घटना को केवल दुर्घटना नहीं मान रही हैं। यदि सुरक्षा नियमों की अनदेखी हुई, अग्निशमन मानकों का पालन नहीं किया गया या भवन निर्माण में नियमों का उल्लंघन हुआ, तो यह केवल प्रशासनिक त्रुटि नहीं बल्कि आपराधिक लापरवाही है। ऐसे मामलों में जिम्मेदारी तय करना अत्यंत आवश्यक है क्योंकि जवाबदेही के अभाव में नियम केवल औपचारिकता बनकर रह जाते हैं। दोष केवल भवन मालिक का नहीं हो सकता। हमें यह भी देखना होगा कि निरीक्षण करने वाले अधिकारी कहाँ थे? क्या अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र समय-समय पर नवीनीकृत किए गए थे? क्या किसी निरीक्षण में कमियां सामने आई थीं? यदि आई थीं तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई? यदि नहीं आई थीं तो क्या निरीक्षण सही तरीके से हुए थे? इन प्रश्नों के उत्तर केवल इस मामले के लिए नहीं बल्कि पूरे शहरी प्रशासन की कार्यप्रणाली को समझने के लिए आवश्यक हैं।

सरकारों को यह समझना होगा कि विकास और सुरक्षा परस्पर विरोधी नहीं बल्कि पूरक हैं। केवल नई इमारतें बनाना विकास नहीं है। सुरक्षित इमारतें बनाना ही वास्तविक विकास है। केवल पर्यटन को बढ़ावा देना पर्याप्त नहीं है; पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है। केवल निवेश आकर्षित करना महत्वपूर्ण नहीं है; नागरिकों और आगंतुकों के जीवन की रक्षा करना उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। मालवीय नगर अग्निकांड एक चेतावनी है। यह चेतावनी केवल दिल्ली के लिए नहीं बल्कि पूरे देश के लिए है। यदि आज भी हम नहीं चेते, तो कल किसी अन्य शहर, किसी अन्य होटल, अस्पताल, विद्यालय या आवासीय भवन में इसी तरह की त्रासदी दोहराई जा सकती है। तब फिर वही शोक संदेश होंगे, वही मुआवजे की घोषणाएं होंगी और वही प्रश्न अनुत्तरित रह जाएंगे।

मृतकों को वापस नहीं लाया जा सकता। उनके परिवारों की पीड़ा को पूरी तरह कम नहीं किया जा सकता लेकिन यदि इस घटना से सबक लेकर सुरक्षा व्यवस्था में वास्तविक सुधार किए जाएं, जिम्मेदार लोगों को दंडित किया जाए और अग्नि सुरक्षा को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया जाए, तो भविष्य में अनेक जानें बचाई जा सकती हैं। यही इस त्रासदी के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

पीएम सूर्य घर... हरित ऊर्जा और आर्थिक बचत की दिशा में सफल जनआंदोलन

विनोद कुमार सिंह 'तकियावाला'
स्तंभकार

भारत आज जिस विकसित राष्ट्र के स्वप्न को साकार करने की दिशा में अग्रसर है,उसमें ऊर्जा आत्मनिर्भरता एक अत्यंत महत्वपूर्ण आधारशिला के रूप में उभर रही है। किसी भी देश की आर्थिक प्रगति,औद्योगिक विकास, पर्यावरणीय संतुलन और नागरिक जीवन की गुणवत्ता काफी हद तक उसकी ऊर्जा व्यवस्था पर निर्भर करती है। बीते वर्षों में भारत ने ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं,लेकिन बढ़ती जनसंख्या,तीव्र शहरीकरण और निरंतर बढ़ती बिजली मांग ने नीति निर्माताओं के सामने नई चुनौतियाँ भी खड़ी की हैं। ऐसे समय में प्रधानमंत्री सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना केवल एक सरकारी योजना नहीं,बल्कि ऊर्जा क्षेत्र में जनभागीदारी पर आधारित एक व्यापक परिवर्तनकारी अभियान के रूप में सामने आई है।जून 2026 में इस योजना के दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर उपलब्ध आधिकारिक आँकड़े, जमीनी अनुभव और लाभार्थियों की प्रतिक्रियाएँ इस बात की पुष्टि करती हैं कि यह योजना देश में स्वच्छ ऊर्जा क्रांति की मजबूत आधारशिला बन चुकी है। फरवरी 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ की गई इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य केवल सौर ऊर्जा को बढ़ावा देना नहीं था, बल्कि आम परिवारों को ऊर्जा उत्पादक बनाना,उनके बिजली व्यय को कम करना तथा देश को स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जा व्यवस्था की ओर अग्रसर करना भी था। दो वर्षों के भीतर इस योजना ने जिस गति से प्रगति की है, वह इसे स्वतंत्र भारत की सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा योजनाओं में स्थान दिलाती है।योजना की मूल अवधारणा अत्यंत सरल किंतु दूरगामी प्रभाव वाली है। देश के एक करोड़ परिवारों की छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कर उन्हें अपने उपयोग की बिजली स्वयं उत्पन्न करने में सक्षम बनाना तथा अतिरिक्त बिजली को ग्रिड में भेजकर आय अर्जित करने का अवसर उपलब्ध कराना इसका प्रमुख लक्ष्य है।केंद्र सरकार ने इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम के लिए 75 हजार करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया है। यह राशि केवल एक वित्तीय निवेश नहीं बल्कि ऊर्जा आत्मनिर्भर भारत की दिशा में किया गया दीर्घकालिक राष्ट्रीय निवेश है।दो वर्षों के भीतर प्राप्त उपलब्धियाँ इस योजना की सफलता की कहानी स्वयं बयान करती हैं। मार्च 2026 तक देशभर में 26 लाख से अधिक रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके थे और लाभार्थियों को लगभग 18 हजार करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की जा चुकी थी। इससे स्पष्ट है कि योजना केवल कागजों तक सीमित नहीं रही, बल्कि करोड़ों नागरिकों के जीवन में प्रत्यक्ष परिवर्तन का माध्यम बनी है। उल्लेखनीय तथ्य यह भी है कि देश में प्रतिदिन लगभग 4500 नए सौर संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं। यह गति दर्शाती है कि आम जनता के बीच योजना की स्वीकार्यता लगातार बढ़ रही है।यदि इस योजना की सफलता को केवल स्थापित संयंत्रों की संख्या से नहीं बल्कि उसके सामाजिक और आर्थिक प्रभाव से देखा जाए तो तस्वीर और भी प्रभावशाली दिखाई देती है। आज देश में लाखों परिवार ऐसे हैं जिनके बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी आई है। सरकारी सर्वेक्षणों से यह तथ्य सामने आया है कि योजना से जुड़े लगभग 71 प्रतिशत परिवारों ने अपने बिजली व्यय में स्पष्ट बचत का अनुभव किया है। यही नहीं, लाखों परिवार ऐसे भी हैं जिनका मासिक बिजली बिल शून्य या नगण्य स्तर तक पहुँच गया है।ऐसे समय में जब घरेलू बजट पर महंगाई का दबाव बना हुआ है, बिजली बिल में होने वाली यह बचत सीधे परिवारों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने का कार्य कर रही है।

प्रधानमंत्री सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना के दो वर्षों का मूल्यांकन करते समय यह स्पष्ट दिखाई देता है कि इसकी सफलता का आधार केवल सरकारी वित्तीय सहायता नहीं है।इसकी वास्तविक शक्ति जनविश्वास,तकनीकी विश्वसनीयता और प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ में निहित है।जब कोई परिवार अपने बिजली बिल में बचत अनुभव करता है, तब वह स्वयं इस योजना का सबसे प्रभावी प्रचारक बन जाता है।यही कारण है कि आज देश के अनेक क्षेत्रों में लाभार्थियों के अनुभव नए परिवारों को इस योजना से जुड़ने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

आँकड़ों की कसौटी पर परखें तो प्रधानमंत्री सूर्य घर , मुफ्त बिजली योजना ने अपने पहले दो वर्षों में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। यह योजना केवल बिजली उत्पादन का कार्यक्रम नहीं बल्कि आत्मनिर्भर भारत,हरित अर्थव्यवस्था और जनभागीदारी आधारित विकास की नई कहानी लिख रही है।यदि यही गति और जनसहयोग बना रहा तो आने वाले वर्षों में भारत विश्व के सबसे बड़े घरेलू सौर ऊर्जा नेटवर्क वाले देशों में अग्रणी स्थान प्राप्त करेगा और हर छत पर चमकता सूरज विकसित भारत की नई पहचान बनेगा।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

सांस फूलना जैसे लक्षण हैं कोलेस्ट्रॉल और बीपी एक साथ बढ़ने की निशानी

हाई एलडीएल कोलेस्ट्रॉल और हाई ब्लड प्रेशर की समस्याएं चुपचाप विकसित होती हैं और दोनों ही दिल के लिए खतरनाक हैं। दोनों के होने से हार्ट अटैक, स्ट्रोक और कार्डियोवैस्कुलर डिजीज का खतरा बढ़ता है। दोनों समस्याएं एक दूसरे से जुड़ी हैं और एक दूसरे के कारण विकसित हो सकती हैं। लेकिन डॉक्टरों का कहना है कि अधिकतर लोग इस बात से अनजान रहते हैं कि उनके शरीर में दोनों समस्याएं हो रही हैं। एशियन हॉस्पिटल के इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी के कार्डियोलॉजी कंसल्टेंट डॉक्टर दिवाकर कुमार के अनुसार सांस फूलने समेत 10 लक्षणों की मदद से इनकी चेतावनी मिल सकती है।

एलडीएल कोलेस्ट्रॉल रक्त वाहिकाओं के अंदर बढ़कर प्लाक बना सकता है, जिससे आर्टरी सिकुड़ जाती हैं। इसी दौरान, ब्लड प्रेशर बढ़ने से आर्टरी की दीवारों पर अत्यधिक दबाव पड़ता है। इसलिए दोनों समस्याएं मिलकर रक्त वाहिकाओं को जल्दी डैमेज करती हैं और दिल को आराम से काम नहीं करने देती। डॉक्टर के मुताबिक, दोनों स्थितियां अनहेल्दी लाइफस्टाइल से जुड़ी हैं। खराब डाइट, मोटापा, एक्सरसाइज की कमी, स्मोकिंग, तनाव, अपर्याप्त नींद, अत्यधिक शराब का सेवन इनका कारण बन सकता है। इसके अलावा, इन कंडीशन की फैमिली हिस्ट्री और उम्र बढ़ने से भी खतरा बढ़ता है। कुछ लक्षण इसके संकेत देते हैं जैसे सांस फूलना, लगातार सिरदर्द रहना, चक्कर आना, सीने में दर्द, अत्यधिक थकान रहना, धुंधली नजर, तेज धड़कन, शरीर में सुन्नपन होना , पैरों में सूजन (गंभीर स्थिति में) ,रोजमर्रा के काम करने में परेशानी होना। इन समस्याओं की वजह से ब्लड सर्कुलेशन खराब हो सकता है।

डाइट और लाइफस्टाइल: अनहेल्दी डाइट और लाइफस्टाइल दोनों कंडीशन को गंभीर बना सकती हैं। सैचुरेटेड फैट, ट्रांस फैट्स, नमक, रिफाइंड शुगर से भरे फूड एलडीएल कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर के लेवल को साथ में बढ़ाने का काम करते हैं। फ्राइड फूड, प्रोसेस्ड स्नैक, मीठी ड्रिंक और फास्ट फूड बार-बार खाने से क्रोनिक कार्डियोवैस्कुलर डिजीज का खतरा होता है। इसके अलावा, डॉक्टर सुस्त जीवनशैली और फिजिकल एक्टिविटी की कमी को युवाओं में इन स्थितियों के होने के लिए काफी जिम्मेदार मानते हैं। इसलिए अब यह केवल बुढ़ापे की समस्याएं नहीं रही हैं।

रेगुलर हेल्थ चेकअप और स्क्रीनिंग: डॉक्टर दिवाकर ने हाई बीपी और हाई एलडीएल को जल्दी पकड़ने के लिए रेगुलर हेल्थ चेकअप करवाना महत्वपूर्ण बताया है। कई-कई घंटे काम करने वाले, लगातार तनाव में रहने वाले और स्लीप पैटर्न सही ना रखने वाले लोगों में बीपी और कोलेस्ट्रॉल असामान्य होने का खतरा ज्यादा होता है।

सुविचार

कदर करना सीख लीजिए। ना जिंदगी वापस आती है, ना जिंदगी में आए हुए लोग। कई बार तबीयत दवा लेने से नहीं, हाल पूछने से भी ठीक हो जाती है।

–अज्ञात

निशाना

राजनीति में दांव- पेंच..!

नीतिराज चौरे 'नीति'

कर्मों से सब कुछ पाना, आसान नहीं होता,
भीड़ का कारण बन जाना, आसान नहीं होता।।
राजनीति के दाव पेच, खरतनाक है दोस्तो,
हर चाल पर शह पा जाना, आसान नहीं होता।।
सागर की लहरों की ताकत,है तो अद्भुत बलशाली,
उन लहरों पर तैर के जाना, आसान नहीं होता।।
वर्षों से जो पेड़ खड़े थे, उनको तुमने काट दिया,
नए पौधो को वृक्ष बनाना, आसान नहीं होता।।
जो दिखता है वही सत्य है, 'नीति' इस बात मे संशय है,
सत्य को भी सत्य बताना, आसान नहीं होता।।

यूजर्स गाइड

आईआरसीटीसी अकाउंट में कुछ सेटिंग्स से बढ़ बढ़ेंगे कंफर्म टिकट मिलने के चांस

क्या तत्काल टिकट बुक करते समय आपके हाथ भी सिर्फ मायूसी लगती है? ऐसे में संभव है कि आपके IRCTC अकाउंट की जरूरी सेटिंग्स ऑन न हों जिसके चलते आपको कभी कंफर्म तत्काल टिकट नहीं मिल पाता है। आप अपने अकाउंट में मास्टर लिस्ट, ई वॉलेट और ऑटो अपग्रेडेशन जैसे फीचर्स को ऑन या सेटअप करके कंफर्म तत्काल टिकट पाने के चांस बढ़ा सकते हैं। इन सेटिंग्स में Master List फीचर, IRCTC Wallet या Preferred Coach ID जैसे फीचर्स को सेट कर सकते हैं, ताकि तत्काल टिकट बुक करने से पहले शंका न रहे कि टिकट बुक होगी या नहीं।

मास्टर लिस्ट फीचर का मतलब है उन यात्रियों की जानकारी पहले से सेव रखना जिनके लिए टिकट बुक की जानी है। इससे बुकिंग के समय आपको यात्रियों की डिटेल भरने में समय वेस्ट नहीं करना पड़ता। इसके लिए आप IRCTC ऐप खोलें और My Account सेक्शन में जाएं।

वहां My Master List के ऑप्शन पर क्लिक करें। अब Add Passenger पर क्लिक करके यात्री का नाम, जन्मतिथि, जेंडर और बर्थ प्रेफरेंस दर्ज करें। डिटेल्स भरने के बाद Submit पर क्लिक कर दें। अब तत्काल टिकट बुक करते समय आपको सिर्फ पैसेंजर को Select करना होगा। इससे आपका समय बचेगा और आप कंफर्म टिकट पा सकेंगे।

IRCTC e-Wallet रिचार्ज कर लें: तत्काल टिकट बुक करते समय कई बार पेमेंट करते हुए बैंक OTP के इंतजार में सीट हाथ से निकल जाती है। इससे बचने के लिए आप IRCTC के अपने ई-वॉलेट का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे पेमेंट करते हुए OTP का इंतजार नहीं करना पड़ता और साथ ही IRCTC के अपने वॉलेट से पेमेंट होने की वजह से पैसे भी बीच में अटकते नहीं। इसके लिए IRCTC की वेबसाइट या ऐप पर लॉगिन करें और IRCTC e-Wallet सेक्शन पर जाएं। Register Now पर क्लिक करें और अपना पैन या अन्य आईडी कार्ड लिंक करें। रजिस्ट्रेशन के बाद IRCTC के वॉलेट में अनुमानित किराए के अनुसार Top Up कर लें। अब जब टिकट बुक करें तो पेमेंट के समय। पर IRCTC e-Wallet को चुनें और अपनी कंफर्म तत्काल टिकट पाने का चांस बढ़ा लें।

अगर आप चाहते हैं कि आपको टिकट किसी खास बोगी या कोच का ही मिले, तो आप प्रीफर्ड कोच आईडी फीचर का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे सिस्टम आपके लिए तेजी से सीट सर्च कर पाता है। तत्काल टिकट बुक करते समय कई बार पेमेंट कटने के बाद भी वेटिंग टिकट मिल जाता है। ऐसे में अगर आप ऑटो अपग्रेडेशन और बुक ओनली इफ कंफर्म सेटिंग को ऑन रखें, तो आप वेटिंग टिकट पाने से बच सकते हैं।

अजब - गजब

यह है दुनिया का सबसे छोटा 'ज्वालामुखी' सीढ़ियों से अंदर उतरते हैं लोग

दुनिया में ऐसे कई प्राकृतिक अजूबे हैं, जो वैज्ञानिकों को हैरान करते हैं और पर्यटकों को अपनी तरफ आकर्षित करते हैं। ऐसा ही एक अनोखा और रूह कंपा देने वाला ढांचा मेक्सिको के प्यूब्ला शहर के ला लिबर्टाड इलाके में स्थित है, जिसे स्थानीय लोग सदियों से दुनिया का सबसे छोटा ज्वालामुखी कहते आ रहे हैं। इस ऐतिहासिक और रहस्यमयी प्राकृतिक बनावट का नाम है 'कुएक्सकोमेट'। यह दुनिया की इकलौती ऐसी जगह है, जहां लोग इस सोए हुए ज्वालामुखी के ऊपर चढ़कर लोहे की घुमावदार सीढ़ियों के सहारे इसके पाताल जैसे गहरे और खोखली खाई के अंदर उतर सकते हैं। भूवैज्ञानिकों के अनुसार, कुएक्सकोमेट असल में कोई सक्रिय या मृत ज्वालामुखी नहीं है, बल्कि यह एक बुझा हुआ जमीन के अंदर से निकलने वाला गर्म पानी का झरना या एक 'मिट्टी का ज्वालामुखी' है।

स्थानीय नहुआतल भाषा में 'कुएक्सकोमेट' शब्द का अर्थ ही मिट्टी का मटका होता है। माना जाता है कि इसका निर्माण साल 1064 में मेक्सिको के दूसरे सबसे ऊंचे और सक्रिय ज्वालामुखी 'पोपोकाटेपेटल' के एक भयंकर विस्फोट के दौरान हुआ था। उस भीषण ज्वालामुखी विस्फोट के कारण जमीन के अंदर मौजूद भू-तापीय झरने सक्रिय हो गए और वे चूना पत्थर की परतों को चीरते हुए भारी दबाव के साथ बाहर आए। इस प्रक्रिया में जमे कैल्साइट और सिलिकेट के मलबे ने धीरे-धीरे एक विशाल ढेर का रूप ले लिया। आज यह ढांचा 43 फीट ऊंचा और 75 फीट चौड़ा है, जो दिखने में बिल्कुल किसी छोटे ज्वालामुखी के शंकु जैसा प्रतीत होता है। यह भीतर से पूरी तरह खोखला है और इसके शीर्ष पर 23 फीट चौड़ा एक बड़ा मुहाना है। टूरिस्ट्स की सुविधा के लिए अब इसमें एक घुमावदार धातु की सीढ़ी लगाई गई है, जिसके जरिए लोग इसके अंदर आसानी से उतरकर अद्भुत नजारा देख सकते हैं।

नरबलि का खौफनाक इतिहास: कुएक्सकोमेट का इतिहास जितना वैज्ञानिक रूप से दिलचस्प है, उतना ही सामाजिक और ऐतिहासिक रूप से डरावना भी रहा है। इसके बाहर साल 1970 में लगाए गए एक शिलालेख पर साल 1585 के एक इतिहासकार का कथन लिखा है। इसमें इसे एक विशाल अकेले खड़े पत्थर के रूप में वर्णित किया था, जिसके शिखर पर एक बहुत बड़ा मुंह है, मानो कोई गहरा कुआं हो और जिसके तल में बेहद दुर्गंधयुक्त पानी भरा हुआ था। इस शिलालेख से यह भी पता चलता है कि प्राचीन काल में स्थानीय स्वदेशी जनजातियों द्वारा अपने देवताओं को खुश करने के लिए इस खोखले ढांचे के अंदर इंसानों की बलि दी जाती थी। इतना ही नहीं, बाद के दौर में समाज द्वारा तिरस्कृत और आत्महत्या करने वाले लोगों के शवों को भी इसी गहरे गड्ढे में फेंक दिया जाता था, क्योंकि उस समय के समाज का मानना था कि आत्महत्या करने वाले लोग शोक या पारंपरिक दफ़न के हकदार नहीं हैं।

इन खौफनाक और रूह कंपा देने वाले हादसों के आसपास रहने वाले स्थानीय लोगों को कभी-कभी बेहद खौफनाक नाम 'शैतान की नाभि की संतानें' कहकर पुकारा जाता था।

न्यूज विंडो

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत किया पौधरोपण

औबेदुल्लागंज। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष में आज भोजपुर विधानसभा क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर स्थानीय वीर सावरकर शासकीय महाविद्यालय परिसर में एक विशेष पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भोजपुर विधायक सुरेंद्र पटवा, एसडीएम चंद्रशेखर श्रीवास्तव, तहसीलदार, तथा स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी योजना एक पेड़ माँ के नाम के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए महाविद्यालय प्रांगण में 70 पौधे रोपित किए। इस अवसर पर विधायक सुरेंद्र पटवा ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के आह्वान पर आज पूरे देश के 140 करोड़ नागरिक इस नेक कार्य में जुड़े हैं। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत क्षेत्र में अब तक कुल 200 पौधे लगाए जा चुके हैं, जिनमें सेना के जवानों का भी महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ है। अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने उपस्थित लोगों को पर्यावरण को बचाने का संकल्प दिलाया और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरित और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

बैहलोट हाई स्कूल में जनप्रतिनिधियों ने पौधरोपण कर बताया महत्व

गंजबासौदा। वैश्विक पर्यावरण संकट के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से शुक्रवार को ग्राम पंचायत हरदूखेड़ी अंतर्गत ग्राम बैहलोट के शासकीय हाई स्कूल में विश्व पर्यावरण दिवस पारंपरिक उत्साह और सेवा भावना के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शासकीय कार्यालयों, शिक्षण संस्थाओं, सामाजिक संगठनों तथा पर्यावरण प्रेमियों द्वारा विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों के साथ वृहद पौधरोपण अभियान भी चलाया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक हरिसिंह रघुवंशी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि जनपद अध्यक्ष नीतू-देवेन्द्र सिंह रघुवंशी तथा ग्राम पंचायत सरपंच अशोक कुशवाह विशिष्ट रूप से मौजूद रहे। उपस्थित जनप्रतिनिधियों और प्रबुद्ध नागरिकों ने पर्यावरण संरक्षण को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया और अधिक से अधिक वृक्षारोपण पर जोर दिया। विधायक रघुवंशी ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग और बदलते मौसम के गंभीर प्रभावों को देखते हुए अब केवल चर्चा पर्याप्त नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक को वर्ष में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करनी चाहिए। जनपद अध्यक्ष नीतू देवेन्द्र सिंह रघुवंशी ने कहा कि पौधरोपण के बाद उनकी सुरक्षा और नियमित देखभाल अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जब तक पौधा वृक्ष का रूप न ले ले, तब तक उसकी निरंतर देखरेख करनी चाहिए। कार्यक्रम में तहसीलदार अरविन्द यादव, सहायक यंत्री एसएन भार्गव, ग्राम पंचायत सचिव चतुर्भुज सोनी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे।

65 वर्षीय व्यक्ति से दो दुर्लभ सैंड बोआ सांप बरामद, पूछताछ जारी

नर्मदापुरम। देहात थाना पुलिस ने डायल-112 की सूचना पर कार्रवाई करते हुए सतवासा क्षेत्र से एक 65 वर्षीय व्यक्ति को दो दुर्लभ सैंड बोआ (दोमुंहा) सांपों के साथ पकड़ा है। पुलिस के अनुसार इन सांपों की अंतराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब डेढ़ से दो करोड़ रुपये बताई जा रही है। मामले में आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान ओमप्रकाश गौर (65 वर्ष), निवासी महेंद्र गांव, जिला हरदा के रूप में हुई है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उसे हिरासत में लिया। उसके पास रखे प्लास्टिक के डिब्बे से दो सैंड बोआ सांप बरामद किए गए, जिनकी लंबाई लगभग चार-चार फीट बताई गई है। घटना की जानकारी तुरंत वन विभाग को दी गई। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और सांपों की जांच की। अधिकारियों के अनुसार बरामद सांप रेड सैंड बोआ प्रजाति के हैं, जिन्हें वैज्ञानिक नाम एरिक्स जोह्नी से जाना जाता है। यह विषहीन सांप है और भारत, पाकिस्तान तथा ईरान के कुछ रेतीले क्षेत्रों में पाया जाता है।

महानदी के घाटों पर अवैध रेत उत्खनन और भंडारण का कारोबार जारी

कटनी। जिले की बड़वारा तहसील में महानदी के अलग-अलग घाटों पर अवैध रेत उत्खनन और भंडारण का कारोबार जारी है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि प्रशासन और पुलिस इस गतिविधि पर कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। क्षेत्र में दिन और रात ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से रेत निकाली जा रही है।ग्रामीणों के अनुसार बड़वारा थाना क्षेत्र के गुड़ा, देवरी, लेदरा, सकरीगढ़, विलायत खुर्द और भूरसा संगम घाट पर बड़े पैमाने पर अवैध खनन हो रहा है। बिना रॉयल्टी और अनुमति के रेत निकाली जा रही है और उसे अलग-अलग स्थानों पर डंप कर ऊंचे दामों पर बेचा जा रहा है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर हीराबेन पार्क में 51 पौधों का रोपण

वृक्षों से ही जीवन है, अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर उनका संरक्षण करें: विधायक

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर के हीराबेन पार्क में क्षेत्रीय विधायक उमाकांत शर्मा के नेतृत्व में भाजपा नगर मंडल के कार्यकर्ताओं द्वारा 51 पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों को अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा उनके संरक्षण का संकल्प दिलाया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक उमाकांत शर्मा ने कहा कि वृक्षों से ही जीवन है। वृक्ष हमें प्राणवायु (ऑक्सीजन) प्रदान करते हैं, पर्यावरण को संतुलित रखते हैं तथा मानव जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल और संरक्षण करना भी हमारी जिम्मेदारी है। विधायक शर्मा ने कहा कि आज देश के लिए गर्व का विषय है कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व को 12 वर्ष पूर्ण होने जा रहे हैं। इन वर्षों में देश ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन एवं मध्यप्रदेश के

मुख्यमंत्री के निर्देशन में पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण को जनआंदोलन का स्वरूप दिया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2023 में भी इसी हीराबेन पार्क में वृक्षारोपण किया गया था और आज उन आम के पौधों में फल आने लगे हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि यदि पौधों की उचित देखभाल की जाए तो वे आने वाले वर्षों में पर्यावरण एवं समाज दोनों के लिए लाभदायक सिद्ध होते हैं। विधायक शर्मा ने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में देश ने समग्र विकास की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है तथा सरकार ÷सबका साथ, सबका विकास÷ के मूल मंत्र के साथ समाज के प्रत्येक वर्ग के उत्थान के लिए कार्य कर रही है। पर्यावरण संरक्षण भी इसी विकास यात्रा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू, उपाध्यक्ष मनोज साईनाथ, भाजपा मंडल अध्यक्ष सीताराम कुशवाह, पूर्व मंडल अध्यक्ष रमेश यादव, हरिबाबू भार्गव, पार्षद हरिचरण अहिरवार, संजू सोनी, रूपेश यादव, धर्मेंद्र जैन, जगदीश मालवीय सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित रहे।

कलेक्टर की ट्रांजिट वॉक से पर्यावरण संरक्षण का संदेश

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

विश्व पर्यावरण दिवस पर नर्मदापुरम के कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने एक बार फिर अपने नवाचार और सादगीपूर्ण कार्यशैली से अलग पहचान बनाई। उन्होंने सरकारी वाहन का उपयोग करने के बजाय अपने बंगले से ई स्कूटर से ट्रांजिट वॉक करते हुए पौधारोपण कार्यक्रम में पहुंचकर ईंधन बचत और पर्यावरण संरक्षण का प्रभावी संदेश दिया। उनका यह कदम लग्जरी वाहनों में आने-जाने वाले अधिकारियों और आम नागरिकों के लिए प्रेरणा बन गया।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर हर्बल पार्क से वीर सावरकर घाट तक जल चेतना परिक्रमा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण किया गया। कलेक्टर मिश्रा ने विद्यार्थियों के साथ बादाम का पौधा रोपते हुए कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका संरक्षण और संवर्धन करना भी हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस दौरान

बच्चों ने पौधों की देखभाल और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

पौधारोपण के बाद हर्बल पार्क से वीर सावरकर घाट तक नर्मदा तट के किनारे जल चेतना परिक्रमा निकाली गई। रैली के दौरान कलेक्टर ने विद्यार्थियों के साथ मिलकर सीड वॉल तैयार की, जिससे भविष्य में हरियाली बढ़ाने का संदेश दिया गया। ट्रांजिट वॉक के दौरान कलेक्टर ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि यदि प्रकृति सुरक्षित रहेगी तो धरती पर समस्त जीव-जंतु और मानव जीवन भी सुरक्षित रहेगा। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में लगातार नवाचार करेगा तथा जनभागीदारी के माध्यम से प्रकृति संरक्षण के प्रयासों को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष नीतू यादव, जिप सीईओ हिमांशु जैन, डीएफओ गौरव शर्मा, अपर कलेक्टर अनिल जैन, डिप्टी कलेक्टर डॉ. बबीता राठौर सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कलेक्टर सोमेश मिश्रा की यह ट्रांजिट वॉक केवल एक कार्यक्रम तक सीमित नहीं रही, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, ईंधन बचत और जनजागरूकता का एक प्रभावी नवाचार बनकर सामने आई।

पर्यावरण दिवस: हरित भविष्य की ओर केडीबीएम का संकल्प

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर केडीबीएम महाविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता को समर्पित विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में श्रमदान, स्वच्छता अभियान एवं पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें स्वयंसेवकों, प्राध्यापकों एवं स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के अंतर्गत एनएसएस स्वयंसेवकों ने महाविद्यालय परिसर में श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया तथा परिसर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने में अपना योगदान दिया। इसके पश्चात महाविद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया और उनके संरक्षण का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की

डायरेक्टर श्रीमती श्वेता आनन्द त्यागी ने स्टाफ सदस्यों को पौधे भेंट कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। प्रकृति का संरक्षण केवल हमारी जिम्मेदारी ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारा नैतिक दायित्व भी है। आज बढ़ते प्रदूषण और पर्यावरणीय चुनौतियों के बीच प्रत्येक व्यक्ति को वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए। एक पौधा केवल वृक्ष नहीं, बल्कि आने वाले कल की स्वच्छ हवा, शुद्ध जल और सुरक्षित जीवन का आधार है।

जागरूकता रैली निकालकर दिया गया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर शीतल परिवार कल्याण समिति ने एक अनूठी जागरूकता रैली निकालकर पूरे शहर को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रेरित कर दिया। हाथों में हरे-भरे पौधे और संदेश भरी तख्तियां लिए युवा, नौनिहाल और समिति के सदस्य उत्साह से भरे सड़कों पर निकले।

रैली में शहर की नदियों में सीधे मिल रहे घरेलू अपशिष्ट, कारखानों से निकलने वाले जहरीले रासायनिक पानी, जहर उगलती चिमनियों, सड़कों पर उड़ते धूल के गुबार और तेजी से घटती हरियाली को लेकर गहरी चिंता जताई गई। रैली के आयोजक एवं समिति के अध्यक्ष सुनील उर्फ छोटू मारण ने बताया, ÷हमारा उद्देश्य केवल जागरूकता फैलाना नहीं, बल्कि नौनिहालों और युवा पीढ़ी को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाना है। साथ ही, पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में काम कर रही संस्थाओं को भी और अधिक सक्रिय करने की जरूरत है। रैली का शुभारंभ शाम 4 बजे शीतल सिटी गेट-3 के पास सामूहिक पौधरोपण से हुआ। इसके बाद रैली रेलवे ओवरब्रिज, मुख्य बाजार, मंगल बाजार से होते हुए एडीएम कार्यालय पहुंची। सभी प्रतिभागी अपने हाथों में पौधे लेकर चले और लोगों को मानसून के इस उपयुक्त मौसम में पौधे लगाने तथा उन्हें संरक्षित करने का संदेश दिया। यहां ज्ञापन सोपने के साथ पौधरोपण कर रैली का समापन किया। इस मोके पर बड़ी संख्या में समिति के सदस्य, गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर हरा पेड़ कटने का मामला गरमाया, अधिकारियों ने झाड़ा पल्ला

अजय आहूजा। मंडीदीप

विश्व पर्यावरण दिवस के दिन मंडीदीप नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड 12 इंदिरा नगर में एक बड़े हरभरा पेड़ को काट दिए जाने का मामला सामने आया है। घटना जैन मंदिर के सामने की बताई जा रही है, जिससे स्थानीय लोगों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं में काफी आक्रोश व्याप्त है।

जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को वार्ड 12 में पेड़ काटने की घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए। वहां कुछ लोग पेड़ की लकड़ी के टुकड़े करते हुए पाए गए। नगर कांग्रेस अध्यक्ष दशरथ मीणा ने बताया कि यहां करीब 50 फीट ऊंचा हरभरा पेड़ था, जिसे बहुत नीचे से काट दिया गया है। इस घटना को लेकर लोगों में गुस्सा है। उधर, वार्ड पार्षद प्रार्थना सुरेंद्र चौहान ने इस मामले में सफाई देते हुए बताया कि दो दिन पहले आए तेज आंधी-तूफान के कारण पेड़ का एक बड़ा हिस्सा वहां रह रहे लोगों के घर पर गिर

गया था, जिससे मकान क्षतिग्रस्त हो गया। पीड़ित परिवार ने नगर पालिका में आवेदन देकर पेड़ हटाने की मांग की थी, लेकिन नपा अधिकारियों द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। पार्षद चौहान ने कहा, जब नपा अमला नहीं आया तो पीड़ित परिवार को मजबूरन शुक्रवार को निजी श्रमिकों के जरिए पेड़ हटवाना पड़ा। अगर इसे नहीं हटाया जाता तो तेज हवा के चलते और ज्यादा नुकसान हो सकता था। नपा सीएमओ डॉ. प्रशांत जैन ने बताया कि नपा द्वारा शहर में कोई पेड़ नहीं कटवाया गया है, जिस पेड़ को काटने की बात बताई जा रही है वह तेज हवा में गिरने की जानकारी है।

मेट्रो एंकर

बृहस्पति साइंस सेंटर के लोहे की 12 रॉड वाले प्रयोग से छात्रों ने लाइव जाने रहस्य

कौतूहल का विषय बना जीरो शैडो डे, दोपहर में गायब हो गई परछाई

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

शुक्रवार को शहर वासियों ने एक अद्भुत खगोलीय घटना जीरो शैडो डे को न सिर्फ देखा, बल्कि विज्ञान के लाइव प्रयोग के जरिए इसके पीछे के रहस्यों को भी समझा। बृहस्पति साइंस सेंटर के डायरेक्टर राजेश पाराशर के मार्गदर्शन में आयोजित इस वैज्ञानिक प्रदर्शन को देखने के लिए बड़ी संख्या में छात्र और आम लोग मौजूद रहे।

खगोलीय घटना को प्रामाणिक रूप से दिखाने के लिए सांई फॉर्च्यून सिटी के मुख्य पार्क में 3-3 फीट आकार की 12 लोहे की रॉड को जमीन पर बिल्कुल सीधा लंबवत गाड़ा गया था। सुबह 11 बजे के बाद जैसे-जैसे सूर्य सिर के ऊपर आता गया, इन रॉड्स की परछाई धीरे-धीरे छोटी होती चली गई। दोपहर के सटीक 12:18 बजे सूर्य ठीक 90 डिग्री के कोण पर आ गया और कुछ पलों के लिए रॉड्स की परछाई पूरी तरह गायब हो गई। इस दृश्य को देखकर उपस्थित लोग अचंभित रह गए। इस अवसर पर राजेश पाराशर ने कहा कि विज्ञान सिर्फ स्कूल की किताबों, रटने या परीक्षाओं तक सीमित नहीं है। ब्रह्मांड खुद एक बहुत बड़ी प्रयोगशाला है और हम हर दिन विज्ञान के नियमों के बीच जीते हैं।

जीरो शैडो डे की तिथियां

शहर	जीरो शैडो डे की तिथि
बैतूल	-31 मई 2026
हरदा	-03 जून 2026
केसला	-04 जून 2026
माखननगर	-05 जून 2026
नर्मदापुरम	-06 जून 2026
इटारसी	-05 जून 2026

प्रयोग के बाद उन्होंने जानकारी दी कि सूर्य जब उत्तरायण के दौरान कर्क रेखा की तरफ बढ़ता है, तब वह अलग-अलग अक्षांशों पर लंबवत चमकता है। परछाई गायब होने का सटीक समय दोपहर 12:12 बजे से 12:20 बजे के बीच होता है, जब सूर्य स्थानीय क्षितिज पर ठीक 90 डिग्री पर होता है। प्रयोग का समन्वयन एम.एस. नरवरिया ने किया। अतिथि के रूप में बसंत श्रीवास्तव उपस्थित थे। वहीं हरीश चौधरी ने बच्चों को आंकड़े लेने में मार्गदर्शन दिया। प्रयोगों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले बच्चों को मेडल प्रदान किए गए। राजेश पाराशर ने बताया कि नर्मदापुरम संभाग के विभिन्न नगरों में अलग-अलग दिन परछाई गायब होती है क्योंकि सभी स्थानों का अक्षांश अलग होता है।

न्यूज विंडो

पर्यावरण दिवस: वृक्षारोपण एवं विधिक साक्षरता शिविर का किया आयोजन

तेंदूखेड़ा। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दमोह सुभाष सोलंकी के निर्देशानुसार तथा न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी एवं अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति तेंदूखेड़ा श्रीमती स्मृति सोनी के मार्गदर्शन एवं संबोधन में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम एवं विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्रीमती स्मृति सोनी ने कहा कि जून माह की शुरुआत होते-होते गर्मी अपने चरम पर पहुंचने लगती है। शहरों में तापमान के नए रिकॉर्ड बन रहे हैं, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में जलस्रोत लगातार सिकुड़ते जा रहे हैं। मौसम का असामान्य व्यवहार, अचानक आने वाली बाढ़, लंबे समय तक पड़ने वाला सूखा तथा भीषण गर्मी की लहरें यह संकेत देती हैं कि पर्यावरण संकट अब भविष्य का नहीं, बल्कि वर्तमान का गंभीर विषय बन चुका है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण को केवल पेड़-पौधों, जंगलों अथवा वन्यजीवों तक सीमित नहीं समझना चाहिए। पर्यावरण एक व्यापक तंत्र है, जिसमें वायु, जल, मिट्टी, नदियां, जैव विविधता तथा जलवायु सभी शामिल हैं। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण तथा विधिक जागरूकता संबंधी जानकारी प्रदान की गई। साथ ही परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

एक साल के मासूम को पिता ले गया अपहरण की आशंका से मचा हड़कंप

तेंदूखेड़ा। नगर से लगभग 4 किलोमीटर दूर ग्राम बाँदीपुरा में गुरुवार देर रात उस समय हड़कंप मच गया, जब एक महिला के पास सो रहा उसका 1 साल का मासूम बच्चा अचानक गायब हो गया। प्रारंभिक तौर पर परिजनों को बच्चे के अपहरण की आशंका हुई, जिसके बाद पूरे गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बाँदीपुरा श्रीमती वर्षा आदिवासी जो अपने पिता के घर अपने 1 वर्ष के पुत्र के साथ घर में सो रही थीं। रात में 1 बजे उनकी नींद खुली तो उन्होंने देखा कि उनका बच्चा उनके पास नहीं है। बच्चे के गायब होने की जानकारी लगते ही उन्होंने शोर मचाया और ग्रामीणों को घटना की सूचना दी। मामले की जानकारी सरपंच प्रतिनिधि देवेंद्र जैन को मिली, जिन्होंने तत्काल डायल-112 पर सूचना दी। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसडीओपी अर्चना अहीर ने तत्काल सक्रियता दिखाते हुए आसपास के थानों तेंदूखेड़ा तेजगढ़ ,तारादेही सहित अन्य थानो को अलर्ट किया तथा रात में ही बच्चे की तलाश और सघन वाहन चेकिंग शुरू कराई। काफी प्रयासों के बावजूद प्रारंभिक तौर पर बच्चे का कोई सुराग नहीं मिल सका। बाद में पुलिस को जानकारी लगी कि बच्चा अपने पिता के साथ सुरादेही में है बाद में जांच के दौरान पता चला कि बच्चे का पिता पप्पू आदिवासी, निवासी सुरादेही इमलिया चौकी, थाना तेजगढ़ क्षेत्र, जो गोवा में मजदूरी का कार्य करता है, हाल ही में सूरादेही गांव लौटा था। जानकारी के अनुसार वह गुरुवार को बाँदीपुरा पहुंचा। किसी बात को लेकर उसका विवाद अपने बड़े साले के साथ हो गया जिसके कारण उसने अपनी पत्नी बर्षा से सूरादेही चलने के लिए बोला पर पत्नी ने साथ जाने से मना कर दिया वर्षा आदिवासी के पिता के घर में दरवाजा नहीं था और केवल पर्दा लगा हुआ था। इसी दौरान उसने रात्रि में बिना किसी को बताए अपने पुत्र को मां के पास से उठाया और अपने साथ सुरादेही ले गया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में दिखावा या संवेदनहीनता

अमरकंटक। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अमरकंटक क्षेत्र में जिला प्रशासन द्वारा बड़े स्तर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पर्यावरण संरक्षण के नाम पर आयोजित इस कार्यक्रम को लेकर अब कई सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि कार्यक्रम में शामिल एनसीसी कैडेट्स को कई किलोमीटर तक पैदल चलाया गया, लेकिन उनके लिए पीने के पानी तक की समुचित व्यवस्था नहीं की गई। भोजन और अल्पाहार की व्यवस्था तो दूर, मूलभूत सुविधाएं भी नदारद रहीं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पर्यावरण संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषय पर आयोजित कार्यक्रम में यदि प्रतिभागियों की सुविधा और सुरक्षा का ध्यान नहीं रखा गया, तो यह प्रशासनिक लापरवाही का विषय है। सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या कार्यक्रम बिना पर्याप्त तैयारी के आयोजित किया गया था, या फिर इसका उद्देश्य केवल फोटोशूट और प्रचार-प्रसार तक सीमित था। विश्व पर्यावरण दिवस का उद्देश्य पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और जनभागीदारी सुनिश्चित करना है। ऐसे आयोजनों में विद्यार्थियों और युवाओं की सहभागिता सराहनीय होती है, लेकिन यदि उन्हें मूलभूत सुविधाओं से भी वंचित रखा जाए तो यह कार्यक्रम की गंभीर खामियों को उजागर करता है। पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रमों में प्रतिभागियों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और सुविधा भी उतनी ही महत्वपूर्ण मानी जाती है।

जबलपुर में एक करोड़ रुपए से अधिक के गेहूं घोटाले का खुलासा, एफआईआर दर्ज

जबलपुर। जबलपुर में एक करोड़ रुपए से अधिक के गेहूं घोटाले का खुलासा हुआ है। प्रशासनिक जांच में खरीदी केंद्र प्रभारी, सहायक खाद्य अधिकारी सहित 10 लोगों की भूमिका सामने आने के बाद सभी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। मामला मझौली स्थित मां अन्नपूर्णा वेयरहाउस का है, जहां जांच के दौरान 5167.70 क्विंटल गेहूं कम मिला। गायब गेहूं की कीमत करीब 1 करोड़ 37 लाख रुपए आंकी गई है। जांच में किसानों से अवैध वसूली किए जाने का मामला भी सामने आया है।

राह होगी आसान... पहाड़ों का सीना चीरकर निकाली जा रही टनल

इंदौर-इच्छापुर हाईवे के बाईग्राम, भैरोघाट और चोरल घाटों से मिलेगी मुक्ति, पहाड़ों में बन रही हाईटेक टनल

खंडवा। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में स्थित इंदौर - इच्छापुर (शाहपुर) हाईवे का काम तेजी से चल रहा है। इस हाईवे पर तेजाजी नगर इंदौर से बलवाड़ा के बीच 33.4 किमी मार्ग में सबसे कठिन तीन घाट सेक्शन हैं। इन्हीं घाटों पर एनएचएआई नई तकनीक से तीन जगह पहाड़ों का सीना चीरकर सुरंगों (टनल) के जरिए राह निकाल रहा है। न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मेथड (एनएटीएम) से बन रही तीन टनलों में से दो का काम लगभग पूरा हो चुका है, जबकि तीसरी टनल का निर्माण जारी है। दिसंबर 2026 तक इस मार्ग से वाहन सरपट दौड़ सकेंगे।

इंदौर-एदलाबाद हाई स्पीड कॉरिडोर के तहत मध्यप्रदेश में कुल 203 किमी फोरलेन सड़क का निर्माण करीब 3900 करोड़ रुपए की लागत से किया जा रहा है। इसमें इंदौर से शाहपुर तक कुल 185.3 किमी मार्ग पांच चरणों में बनाया जा रहा है। इस मार्ग में इंदौर के भंवरकुआं से तेजाजी नगर तक 6.5 किमी सड़क का काम पूरा हो चुका है। हाई स्पीड कॉरिडोर के तहत तेजाजी नगर इंदौर से बलवाड़ा खरगोन तक 33.4 किमी मार्ग में बाईग्राम, भैरोघाट और चोरल के बीच पड़ने वाले घाटों पर टनल (सुरंगों) के माध्यम से सफर आसान किया जा रहा है। यहां 35 से 50 मीटर ऊंचे पहाड़ों के बीच तीन स्थानों पर सुरंगें बनाई जा रही हैं। भैरोघाट में 575 मीटर और बाईग्राम घाट में 480 मीटर लंबी टनल का काम अंतिम चरण में है। वहीं चोरल घाट पर 550 मीटर लंबी टनल के लिए एनएटीएम तकनीक से खुदाई का कार्य किया जा रहा है। हाईवे प्रोजेक्ट के डिप्टी मैनेजर चेतन पटेल ने बताया कि दिसंबर अंत तक इसका कार्य भी पूरा हो जाएगा।

यह है एनएटीएम तकनीक

एनएचएआई न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मेथड (एनएटीएम) से टनल का निर्माण कर रहा है। इस तकनीक का उपयोग सड़क और रेलवे परियोजनाओं में किया जाता है। इसमें पहाड़ों को चरणबद्ध तरीके से काटा जाता है और उनकी प्राकृतिक स्थिति को यथासंभव सुरक्षित रखा जाता है। टनल में सेंसर लगाकर चट्टानों की गतिविधि, दबाव और बैठने की स्थिति की लगातार निगरानी की जाती है। यदि पहाड़ के अंदर 10 मीटर चौड़ी सड़क टनल बनानी हो तो पहले 2-3 मीटर हिस्से की खुदाई की जाती है, फिर तुरंत शॉटक्रीट और रॉक बोल्ट लगाए जाते हैं। इसके बाद अगला हिस्सा खोदा जाता है। इससे पहाड़ की प्राकृतिक मजबूती और संरचना बनी रहती है।

दो घंटे में तय होगा खंडवा-इंदौर का सफर

वर्तमान में खंडवा से इंदौर तक 130 किमी का सफर तय करने में करीब साढ़े तीन से चार घंटे लगते हैं। इसमें सबसे अधिक समय घाट सेक्शन में ही लगता है। तेजाजी नगर से बलवाड़ा तक घाट सेक्शन में टनल बनने के बाद खंडवा-इंदौर के बीच का सफर घटकर करीब दो से ढाई घंटे का रह जाएगा। धनगांव-बलवाड़ा के बीच मोरटक्का का नया पुल शुरू होने पर वाहन सीधे बायपास से निकल सकेंगे और सनावद-बड़वाह शहरों में प्रवेश करने की आवश्यकता भी नहीं होगी।

बालाघाट में 242 क्विंटल चावल एथेनॉल प्लांट भेजा जा रहा था, पकड़ाया

बालाघाट। दोपहर मेट्रो

बालाघाट में भारतीय खाद्य निगम के 242 क्विंटल कस्टम मिलिंग चावल की हेराफेरी और धोखाधड़ी के मामले में वारासिवनी पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। यह चावल एथेनॉल प्लांट के लिए भेजा जा रहा था, लेकिन इसे एक स्थानीय मिल में पकड़ा गया। जिन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, उनमें वारासिवनी की संचेती राइस मिल के संचालक सौरभ संचेती, छिंदवाड़ा के बोरगांव स्थित एव्हीजे एग्रीको प्राइवेट लिमिटेड एथेनॉल प्लांट के अधिकृत प्रतिनिधि राहुल प्रताप और ट्रक ड्राइवर दुर्गेश शेन्द्रे शामिल हैं।

स्पा सेंटर पर छापा, तीन कमरों में मिले युवक-युवतियां

रतलाम। दोपहर मेट्रो

रतलाम जिले में पुलिस ने एक वाटर पार्क में संचालित स्पा सेंटर पर छापा मारा। पुलिस ने स्पा सेंटर के तीन अलग-अलग कमरों से तीन युवतियों के साथ कुछ युवकों को पकड़ा है, जिन्हें हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है। जो युवतियां स्पा सेंटर से हिरासत में ली गई हैं वो थाईलैंड की रहने वाली हैं। बताया गया है कि स्वीमिंग पूल के पीछे अवैध रूप से स्पा सेंटर संचालित किया जा रहा है।

रतलाम के पंचेड़-नामली मार्ग पर स्थित तुलसी वाटर पार्क में पुलिस ने शुक्रवार को छापा मारते हुए अवैध रूप से संचालित स्पा सेंटर का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने यहां से तीन कमरों से थाईलैंड की तीन युवतियों के साथ कुछ युवकों को भी हिरासत में लिया है। जिन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। बताया गया है कि वाटर पार्क रतलाम के बरबड़ निवासी योगेंद्र कुमार के नाम पर है। जिसे उसने 5 लाख रुपये सालाना की लीज पर दिलीप ठाकुर को दिया है।

वाटर पार्क में स्वीमिंग पूल की आड़ में अवैध स्पा सेंटर संचालित किए जाने की सूचना मुखबिर के माध्यम से रतलाम एसपी अमित कुमार को मिली थी। इस सूचना के बाद एसपी अमित कुमार ने एक विशेष टीम गठित की। जो शुक्रवार दोपहर करीब तीन बजे वाटर पार्क पहुंची। पुलिसकर्मी सादे कपड़ों में ग्राहक बनकर वाटर पार्क के अंदर पहुंचे और स्पा सेंटर के बारे में जानकारी जुटाई। इसके बाद जब स्पा सेंटर संचालित होने का पता चला तो एसपी को सूचित किया गया। शिकायत की पुष्टि होने पर एएसपी विवेक कुमार लाल के नेतृत्व में पुलिस टीम महिला पुलिसकर्मियों के साथ वाटर पार्क में पहुंची और स्पा सेंटर पर छापा मारा। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि वाटर पार्क में पीछे की तरफ 6 कमरों में स्पा सेंटर संचालित किया जा रहा था। वाटर पार्क के मैनेजर दिलीप ठाकुर को भी पूछताछ के लिए थाने लाया गया है।

पांढुर्णा-सौसर मार्ग पर सड़क हादसे में रोजगार सहायक की मौत

पांढुर्णा। दोपहर मेट्रो

पांढुर्णा-सौसर मार्ग पर गोरली खापा के समीप देर रात हुए सड़क हादसे में एक रोजगार सहायक की मौत हो गई। मृतक की पहचान टेमनी शासनी गांव निवासी नरेंद्र परतेती के रूप में हुई है। हादसा उस समय हुआ जब उनकी बाइक सड़क किनारे खड़े ट्रैक्टर से टकरा गई। गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिरने के बाद एक अज्ञात वाहन उनके ऊपर से गुजर गया।पुलिस हादसे की सभी परिस्थितियों की जांच कर रही है।

पर्यावरण संरक्षण हमारा नैतिक दायित्व: शर्मा

पुलिस लाइन के मोतीवन में रोपे गए 125 पौधे

धार। दोपहर मेट्रो

बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए पर्यावरण संरक्षण की दिशा में धार पुलिस ने एक सराहनीय कदम उठाया है। एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पुलिस लाइन धार स्थित मोतीवन परिसर में एक वृहद पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न प्रजातियों के लगभग 125 पौधे रोपे गए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा का कार्यक्रम की शुरुआत में पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए एसपी श्री शर्मा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक सरकारी या सामाजिक अभियान नहीं है, बल्कि यह देश के प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। आज ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन जैसी जो चुनौतियाँ हमारे सामने खड़ी हैं, उनसे निपटने का एकमात्र तरीका बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण और उनका संरक्षण करना है।÷ उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों से अपील की कि वे न केवल पौधे लगाएं, बल्कि उनके बड़े होने तक उनकी नियमित देखभाल और सुरक्षा की जिम्मेदारी भी उठाएं। मोतीवन परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान उपस्थित प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस बल और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने पर्यावरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। सभी ने मिलकर लगाए गए 125 पौधों की देखरेख करने का सामूहिक संकल्प लिया। कार्यक्रम के सफल समापन के बाद सभी उपस्थितजनों को स्वल्पाहार भी वितरित किया गया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ अभिषेक चौधरी, सहायक कलेक्टदर आशी शर्मा, एएसपी पारूल बेलापुरकर, नगर पुलिस अधीक्षक सुजावल जग्गा, डीएसपी आनंद तिवारी, डीएसपी गगन हनवत और रक्षित निरीक्षक पुरुषोत्तम बिश्नोई सहित पुलिस विभाग का पूरा अमला मौजूद रहा। पर्यावरण के क्षेत्र में सक्रिय संस्थाएं भारत विकास परिषद, आओ सहेजे धरा, और भू माई फाउंडेशन के पदाधिकारी व कार्यकर्ता। इसके साथ ही, पुलिस लाइन धार में निवासरत पुलिस परिवारों और बच्चों ने भी इस अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी सक्रिय सहभागिता दर्ज कराई।

मेट्रो एंकर | भागवत कथा का छठवां दिन: मातृशक्तियों ने गाए मंगल सोहर और विवाह के गीत

श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह मनाया, मंगल गीतों पर झूमा समूचा नरसिंहपुर

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

स्थानीय तुलसी मानस भवन (सदर मढ़िया) में समस्त मातृशक्ति संगठन के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय भव्य श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के छठवें दिन आज पंडाल में श्रद्धा, उल्लास और मांगलिक उत्सव का ऐसा अद्भुत संगम देखने को मिला, जिसने हर श्रद्धालु को मंत्रमुग्ध कर दिया. कथा के सबसे दिव्य और आनंदमयी प्रसंगों में से एक महारास लीला एवं श्री कृष्ण-रुक्मिणी विवाह उत्सव आज अत्यंत धूमधाम और वैभव के साथ मनाया गया। इस अलौकिक विवाह उत्सव का साक्षी बनने के लिए समूचे नगर से हज़ारों की संख्या में श्रद्धालु पारंपरिक मांगलिक परिधानों में सज-धज कर कथा स्थल पहुँचे। कथा के प्रथम सत्र में सुप्रसिद्ध कथा वाचक श्रद्धेय पंडित संतोष रामशंकर जी महाराज ने भागवत महापुराण के सबसे गूढ़ प्रसंग %रास पंचाध्यायी का वाचन किया। महाराज जी ने महारास के आध्यात्मिक मर्म को समझाते हुए कहा कि रास कोई लौकिक नृत्य नहीं है, बल्कि यह जीवात्मा का परमात्मा से महामिलन है। यह काम पर विजय प्राप्त करने का पर्व है। उन्होंने कहा कि जब जीव के भीतर की सांसारिक वासनाएं समाप्त हो जाती हैं, तब उसके हृदय में विशुद्ध प्रेम और भक्ति का प्राकट्य होता है, यही महारास है। इसके उपरांत महाराज जी ने कंस वध, उद्धव-गोपी संवाद और द्वारिका निर्माण की कथा का रसमय वर्णन किया।

कथा के उत्तरार्ध में जब देवी रुक्मिणी के पत्र और भगवान श्रीकृष्ण द्वारा उनके पाणिग्रहण की कथा शुरू हुई, तो पूरा पंडाल मंगल गीतों से सराबोर हो उठा। मंच पर भगवान श्रीकृष्ण और माता रुक्मिणी के विवाह की अत्यंत सजीव और मनमोहक झांकी प्रस्तुत की गई। जैसे ही सुसज्जित मंच पर दूल्हा बने ठाकुर जी और वधु स्वरूप में माता रुक्मिणी का आगमन हुआ, पूरा परिसर द्वारिकाधीश की जय और लक्ष्मी नारायण की जय के गूंजते जयकारों से गुंजायमान हो उठा। विवाह के पावन प्रसंग पर संगीत टोली द्वारा जब पारंपरिक विवाह गीत और गारी गीत गाए गए, तो समस्त मातृशक्ति संगठन की सदस्यों सहित पंडाल में उपस्थित हज़ारों महिलाएं अपनी सुध-बुध खोकर झूमने और थिरकने लगीं। मंच पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान और माता रुक्मिणी ने एक-दूसरे को जयमाला पहनाई। श्रद्धालुओं द्वारा इस दिव्य जोड़ी पर गर्भगृह से लेकर पूरे पंडाल में भारी पुष्पवर्षा की गई। मातृशक्तियों ने ठाकुर जी की आरती उतारकर नगर की सुख, समृद्धि और जन-कल्याण की कामना की।

रोलैंड गैरोस में पोलैंड की युवा स्टार का धमाकेदार प्रदर्शन

माजा च्वालिंस्का ने रचा इतिहास, फ्रेंच ओपन 2026 के खिताबी मुकाबले में बनाई जगह

पेरिस, एजेंसी

रोलैंड गैरोस में खेले जा रहे फ्रेंच ओपन 2026 में पोलैंड की 24 वर्षीय टेनिस खिलाड़ी माजा च्वालिंस्का ने ऐसा इतिहास रच दिया है, जिसकी लंबे समय तक चर्चा होती रहेगी। विश्व रैंकिंग में 114वें स्थान पर काबिज च्वालिंस्का ने महिला एकल सेमीफाइनल में रूस की डायना श्नाइडर को 7-6(4), 6-4 से हराकर पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के फाइनल में प्रवेश किया। इस जीत के साथ वह थ्तमदबी व्चमद 2026 के इतिहास में महिला एकल फाइनल तक पहुंचने वाली पहली क्वालिफायर खिलाड़ी बन गई हैं। च्वालिंस्का का यह अभियान किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं रहा। मुख्य ड्रॉ में जगह बनाने के लिए उन्हें पहले क्वालिफाइंग दौर के तीन मुकाबले जीतने पड़े। इसके बाद उन्होंने मुख्य ड्रॉ में लगातार छह मैच जीतकर फाइनल का टिकट हासिल किया। इस तरह उन्होंने टूर्नामेंट में कुल नौ मुकाबले जीतकर अपनी छाप छोड़ी।

उनकी यह उपलब्धि उन्हें ओपन एरा में ग्रैंड स्लैम फाइनल तक पहुंचने वाली दूसरी क्वालिफायर खिलाड़ी भी बनाती है। इससे पहले यह ऐतिहासिक कारनामा म्उउं त्कनबंदन ने 2021 यूएस ओपन में किया था, जहां उन्होंने खिताब जीतकर दुनिया को चैंका दिया था। सेमीफाइनल मुकाबले में च्वालिंस्का ने शुरुआत से ही आक्रामक और संतुलित खेल का प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने शॉट्स में विविधता दिखाई और स्पिन तथा गति में लगातार बदलाव कर श्नाइडर को लय में आने का मौका नहीं दिया। पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली, लेकिन टाई-ब्रेक में पोलिश खिलाड़ी ने संयम बनाए रखते हुए बढ़त हासिल कर ली। दूसरे सेट में भी च्वालिंस्का की फिटनेस और तेज मूवमेंट ने निर्णायक भूमिका निभाई। मजबूत डिफेंस और सटीक रिटर्न की बदौलत उन्होंने महत्वपूर्ण अंक हासिल किए और सीधे सेटों में जीत दर्ज की।

जीत दर्ज करने के बाद भावुक हो गईं च्वालिंस्का

ऐतिहासिक जीत दर्ज करने के बाद च्वालिंस्का भावुक हो गईं। मैच समाप्त होते ही वह कोर्ट पर बैठ गईं और अपनी भावनाओं को नियंत्रित नहीं कर सकीं। उन्होंने कहा कि यह उनके जीवन का सबसे बड़ा पल है और उन्हें अब भी विश्वास नहीं हो रहा कि वह ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंच चुकी हैं। इस उपलब्धि के साथ वह इवोन गुलागोंग और क्रिस एवर्ट के बाद रोलैंड गैरोस के मुख्य ड्रॉ में अपने पहले ही अभियान में फाइनल तक पहुंचने वाली तीसरी महिला खिलाड़ी बन गई हैं।

अब मीरा एंड्रीवा से होगी खिताबी टक्कर

फ्रेंच ओपन के फाइनल में च्वालिंस्का का सामना 8वीं वरीयता प्राप्त मिरा आंद्रीवासे होगा। दोनों खिलाड़ियों के बीच यह पहला मुकाबला होगा, जिससे फाइनल की रोमांचकता और बढ़ गई है। युवा प्रतिभाओं के इस मुकाबले पर दुनिया भर के टेनिस प्रेमियों की नजरें टिकी होंगी। च्वालिंस्का ने फाइनल को लेकर कहा कि वह पहले ही इस टूर्नामेंट में नौ मैच खेल चुकी हैं, इसलिए कोर्ट की परिस्थितियों को अच्छी तरह समझती हैं। उन्होंने एंड्रीवा के खेल की भी तारीफ की और कहा कि वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अब देखना दिलचस्प होगा कि क्या पोलैंड की यह क्वालिफायर खिलाड़ी इतिहास को और आगे बढ़ाते हुए फ्रेंच ओपन का खिताब अपने नाम कर पाती हैं।

प्रज्ञानंद ने रचा इतिहास-

नॉर्वे शतरंज खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने, कार्लसन को भी दी मात

ओस्लो, दोपहर मेट्रो

भारतीय शतरंज के युवा सितारे और ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने इतिहास रचते हुए प्रतिष्ठित नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया है। उन्होंने अंतिम राउंड में जर्मनी के विंसेंट कीमर को हराकर यह बड़ी उपलब्धि हासिल की और इस टूर्नामेंट को जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए।

20 वर्षीय प्रज्ञानंद ने अंतिम दिन बेहद दबाव में खेलते हुए क्लासिकल जीत दर्ज की, जिसके उन्हें पूरे 3 अंक मिले। इस जीत के साथ उन्होंने कुल 18 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल कर खिताब अपने नाम कर लिया। दिन की शुरुआत में वह 15 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर थे, लेकिन आखिरी राउंड में बेहतरीन प्रदर्शन कर उन्होंने सभी को पीछे छोड़ दिया।

इस जीत की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि प्रज्ञानंद ने इस टूर्नामेंट में विश्व नंबर-1 मैग्नस कार्लसन को दो बार क्लासिकल मुकाबलों में हराया। यह उपलब्धि किसी भी युवा खिलाड़ी के लिए बेहद खास मानी जा रही है। इतना ही नहीं, इस टूर्नामेंट में भारतीय विश्व चैंपियन डी गुकेश भी हिस्सा थे, लेकिन वह खिताब की दौड़ से बाहर हो गए। इसके बावजूद प्रज्ञानंद ने भारत की उम्मीदों को जिंदा रखते हुए शानदार प्रदर्शन किया। प्रज्ञानंद के लिए यह टूर्नामेंट आसान नहीं रहा। शुरुआती दौर में उनका प्रदर्शन औसत रहा, लेकिन दूसरे हाफ में उन्होंने जबरदस्त वापसी की और लगातार बेहतर खेल दिखाया। उनकी यह जीत उनके आत्मविश्वास और मानसिक मजबूती का प्रमाण मानी जा रही है।

अंतिम राउंड में मिली ऐतिहासिक जीत का फायदा

खिताबी मुकाबला तब निर्णायक बना जब अमेरिका के ग्रैंडमास्टर वेसली सो अपनी बढ़त को बनाए नहीं रख सके और ड्रॉ के बाद आर्मागेडन टाई-ब्रेक में फंस गए। इस स्थिति ने प्रज्ञानंद के लिए दरवाजे खोल दिए और उन्होंने मौके का पूरा फायदा उठाते हुए अंतिम राउंड में जीत हासिल कर ली। इस जीत के साथ प्रज्ञानंद ने न केवल भारत बल्कि विश्व शतरंज में भी अपनी मजबूत पहचान दर्ज कराई है। वह अब उन चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं जिन्होंने इतने प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में जीत हासिल की है। यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि इससे पहले महान खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद भी यह खिताब नहीं जीत पाए थे।

'बेबी बॉस' की सादगी पर फिदा हुए फैंस श्रीलंका में खुद ट्रॉली खींचते दिखे वैभव

नई दिल्ली, एजेंसी

दाम्बुला। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से क्रिक्ेट जगत में सनसनी मचाने वाले युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी एक बार फिर चर्चा में हैं। इस बार वजह उनकी बल्लेबाजी नहीं, बल्कि उनका सादगी भरा व्यवहार है। श्रीलंका के दाम्बुला पहुंचने पर वैभव का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह अपनी ट्रॉली खुद खींचते नजर आ रहे हैं। क्रिकेट प्रशंसक उनके इस विनम्र और जमीन से जुड़े अंदाज की जमकर सराहना कर रहे हैं।

महज 15 साल की उम्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुके वैभव अब भारत-ए टीम की ओर से त्रिकोणीय श्रृंखला में हिस्सा लेने के लिए श्रीलंका पहुंचे हैं। इस टूर्नामेंट में भारत-ए, श्रीलंका-ए और अफगानिस्तान-ए की टीमें आमने-सामने होंगी। युवा खिलाड़ियों के लिए यह प्रतियोगिता खुद को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साबित करने का बड़ा अवसर मानी जा रही है।

वैभव के साथ टीम के अन्य खिलाड़ी भी अपना सामान स्वयं संभालते दिखाई दिए, लेकिन युवा बल्लेबाज का यह वीडियो विशेष रूप से चर्चा का विषय बन गया। फैंस का कहना है कि इतनी कम उम्र में मिली लोकप्रियता और सफलता के बावजूद उनका विनम्र स्वभाव प्रेरणादायक है। आईपीएल 2026 वैभव सूर्यवंशी के लिए यादगार साबित हुआ। राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए उन्होंने पूरे सीजन में 776 रन बनाकर नया रिकॉर्ड स्थापित किया। उनकी 237.30 की स्ट्राइक रेट ने क्रिकेट विशेषज्ञों को भी हैरान कर दिया।

मेन्स अंडर-18 हॉकी एशिया कप 2026

पाकिस्तान को रौंदकर भारत फाइनल में

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय टीम मेन्स अंडर-18 हॉकी एशिया कप 2026 के फाइनल में पहुंच गई है। कावासाकी हेवी इंडस्ट्रीज हॉकी स्टेडियम में खेले गए हाईवोल्टेज सेमीफाइनल में भारतीय टीम ने शानदार वापसी करते हुए पाकिस्तान को 5-3 से मात दी और खिताबी मुकाबले में जगह पक्की कर ली। मैच के सबसे बड़े हीरो रहे पूर्ति आशीष तानी रहे, जिन्होंने अकेले चार गोल दागकर पाकिस्तान की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। यह जीत इसलिए भी खास रही क्योंकि एक समय भारत 2-3 से पीछे चल रहा था, लेकिन टीम ने शानदार जज्बा दिखाते हुए वापसी की और पाकिस्तान को मुकाबले से बाहर कर दिया। अब फाइनल में भारत का सामना जापान से होगा। खिताबी मुकाबला शनिवार को

इसी मैदान पर खेला जाएगा। भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबले की शुरुआत बेहद तेज रफ्तार रही। दोनों टीमों ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और गोल करने के मौके तलाशते रहे। पहले क्वार्टर में भारत को पेनल्टी स्ट्रोक मिला। पाकिस्तान ने रिव्यू लेकर फैसला बदलवाने की कोशिश की, लेकिन अंपायर का फैसला बरकरार रहा। इसके बाद पूर्ति आशीष तानी ने 12वें मिनट में गोल कर भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी।

हाफ टाइम तक दोनों टीमें थीं बराबरी पर

दूसरे क्वार्टर में पाकिस्तान ने जोरदार वापसी की। पाकिस्तानी टीम को लगातार पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन भारतीय डिफेंस और गोलकीपर ने शानदार बचाव किया। हालांकि 27वें मिनट में अदील ने बेहतरीन फिनिश के साथ गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। हाफ टाइम तक दोनों टीमें बराबरी पर थीं और मुकाबला पूरी तरह खुला हुआ था। तीसरे क्वार्टर में भारत ने फिर से आक्रमण की धार तेज की। 35वें मिनट में अली शाहरुख ने गोल कर भारत को 2-1 की बढ़त दिलाई। लेकिन पाकिस्तान ने भी तुरंत जवाब दिया और महज दो मिनट बाद मुहम्मद फरहान असलम ने गोल कर स्कोर 2-2 कर दिया। इसके बाद पाकिस्तान ने मैच में पहली बार बढ़त हासिल की।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

जाह्नवी कपूर कोई बेचारी नहीं, खुद को बनाती हैं आई-कैंडी, भड़की साउथ एक्ट्रेस

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर इस समय ट्रोल्स के निशाने पर हैं। हाल ही में वो राम चरण की पैन-इंडिया फिल्म पेद्दी में नजर आईं, जिसमें उनके रोल पर बवाल शुरू हो गया है। जाह्नवी को जिस तरह फिल्म में दिखाया गया है, उससे लोग निराश हैं। उन्हें आई-कैंडी की तरह पेश किया गया, जिसके बाद मेकर्स पर भी सवाल खड़े किए जा रहे हैं। पेद्दी फिल्म में राम चरण और जाह्नवी के बीच जितने भी सीन्स रहे, उसका कहानी से कोई ताल्लुक नहीं था। इसलिए जो भी इसे देखने गया, वो हैरान है कि क्यों ऐसे सीन्स को जबरदस्ती डाला गया। साउथ में पहले से ही हीरोइनों को सेंशुअलाइज करने पर बवाल मचता है। अब जाह्नवी भी इस लिस्ट में जुड़ गई हैं।

जाह्नवी को लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डाला गया था, जिसमें उनके रोल को इंडियन सिनेमा के इतिहास का सबसे महंगा अपमान बताया गया। इसमें जाह्नवी को एक बेचारी की तरह पेश किया गया, जो पेद्दी में बोल्ड सीन्स करके फंस गईं। मगर साउथ एक्ट्रेस गायत्री छगंती इस पोस्ट से सहमत नहीं दिखीं। उलटा उन्होंने जाह्नवी कपूर पर ही सवाल खड़े किए। पोस्ट के कमेंट सेक्शन में उन्होंने जाह्नवी के लिए लिखा- मैं सारी बात से सहमत हूं, लेकिन जाह्नवी को यहां बेचारी और विक्टिम बताना बिल्कुल गलत है। उन्होंने अब तक जितनी भी फिल्में की हैं, उनमें वो ज्यादातर सिर्फ आइ कैंडी बनकर आई हैं। सच बात तो ये है कि कोई भी उन्हें अच्छी एक्टिंग करने के लिए नहीं लेता। दरअसल, वो हर फिल्म में हर किरदार को अपने कपड़ों के जरिए सेक्सी बनाने का मौका कभी नहीं छोड़तीं, चाहे कहानी में उनका किरदार कुछ भी हो।

डिजाइन किए गए कपड़े लग रहे थे सेक्सी

गायत्री ने आगे जाह्नवी के पिछले रोल्स का जिक्र किया, जिसमें वो सेक्सी दिखने की कोशिश करती हैं। एक्ट्रेस ने कहा- मुझे कोई दिक्कत नहीं है अगर किरदार के हिसाब से ग्लैमर दिखाना हो। करो, अपना काम करो। लेकिन परम सुंदरी जैसी फिल्म में ये सब बिल्कुल जरूरत से ज्यादा था। उनकी सारी ट्रेडिशनल और शालीन साड़ियां-कपड़े भी ऐसे डिजाइन किए गए थे कि सेक्सी ही लगें। फिर अचानक केरल के गांव में एंगेजमेंट सॉन्ग में वो पूरी तरह खुली और बोल्ड साड़ी पहनकर नाचने लगती हैं। सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में भी यही हाल था। वो प्री-स्कूल टीचर का रोल कर रही हैं, फिर भी उनका क्लीवेज साफ दिख रहा है।

आमरस का आनंद लेती नजर आईं करीना कपूर, बोलीं

खाने के बाद ये तो बनता है ना

मुंबई । बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर खान ने गुरुवार रात सोशल मीडिया पर आम के प्रति अपनी दीवानगी साझा की। अभिनेत्री ने अपने आधिकारिक अकाउंट पर %आमरस% के एक लगभग खाली हो चुके कटोरे की तस्वीर शेयर की। तस्वीर को देखकर साफ अंदाजा लगाया जा सकता है कि उन्होंने भोजन के बाद आमरस का भरपूर लुत्फ उठाया है। करीना द्वारा शेयर की गई इस तस्वीर में, एक कटोरे में आमरस परोसा गया दिख रहा है, जो एक ट्रे पर रखा है। कटोरे में एक चम्मच भी नजर आ रहा है। इस खुशनुमा तस्वीर के साथ अभिनेत्री ने हिंदी में एक मजेदार कैप्शन लिखा, ÷खाने के बाद आमरस तो बनता है ना?÷ इसके साथ ही उन्होंने हंसने वाले और आम के इमोजी भी पोस्ट किए। गौरतलब है कि फिटनेस को लेकर सजग रहने वाली करीना खाने-पीने की शौकीन भी मानी जाती हैं। वह अक्सर अपने खानपान से जुड़ी झलकियां सोशल मीडिया पर पोस्ट करती रहती हैं। करीना लंबे समय से फिटनेस को अपनी दिनचर्या का अहम हिस्सा मानती रही हैं और नियमित रूप से वर्कआउट तथा योग करती हैं। अभिनेत्री सोशल मीडिया पर अपने वर्कआउट रूटीन, योग सत्र और वेलनेस से जुड़ी गतिविधियों की

झलकियां भी शेयर करती रहती हैं। कई इंटरव्यू में वह बता चुकी हैं कि दाल-खिचड़ी उनका पसंदीदा कम्फर्ट फूड है और वह इसे दिन में किसी भी समय खाना पसंद करती हैं। करीना की फिटनेस यात्रा वर्ष 2008 में रिलीज हुई फिल्म टशन के दौरान काफी चर्चा में रही थी। इसी फिल्म के समय उन्होंने बॉलीवुड में साइज-जीरो ट्रेंड को लोकप्रिय बनाया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म में अपने किरदार के लिए उन्होंने वजन घटाकर लगभग 48 किलोग्राम कर लिया था।

मेट्रो बाजार

नीलकंठ मिश्रा होंगे विश्व बैंक में भारत के प्रतिनिधि, वैश्विक आर्थिक मंच पर निभाएंगे अहम भूमिका

नई दिल्ली । एक महत्वपूर्ण निर्णय में वरिष्ठ अर्थशास्त्री नीलकंठ मिश्रा को विश्व बैंक में भारत का कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया गया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने उनकी नियुक्ति को मंजूरी दी है। वह वॉशिंगटन डीसी स्थित विश्व बैंक मुख्यालय में तीन वर्षों के कार्यकाल के लिए यह जिम्मेदारी संभालेंगे। नीलकंठ मिश्रा, परमेश्वरन अय्यर की जगह यह पद संभालेंगे। अय्यर का कार्यकाल तब तक बढ़ाया गया है, जब तक मिश्रा आधिकारिक रूप से पदभार ग्रहण नहीं कर लेते। मिश्रा वर्तमान में प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अंशकालिक सदस्य भी हैं। विश्व बैंक के बोर्ड में वह भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह बोर्ड ऋण वितरण, विकास परियोजनाओं, वित्तीय नीतियों और प्रशासनिक निर्णयों की निगरानी करता है। यह पद भारत की आर्थिक कूटनीति से जुड़ी सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों में से एक माना जाता है, जिसमें वैश्विक विकास वित्तपोषण, बुनियादी ढांचा निवेश, गरीबी उन्मूलन और आर्थिक विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होती है। नीलकंठ मिश्रा फिलहाल एक्सिस बैंक में मुख्य अर्थशास्त्री हैं। इसके साथ ही वह एक्सिस कैपिटल में वैश्विक शोध प्रमुख और पूर्णकालिक निदेशक के रूप में भी कार्यरत हैं। उन्हें भारत के सबसे सम्मानित अर्थशास्त्रियों और बाजार रणनीतिकारों में गिना जाता है। साल 2023 में एक्सिस समूह से जुड़ने से पहले उन्होंने लगभग दो दशक तक क्रेडिट सुइस में काम किया। वहां वह प्रबंध निदेशक, भारत रणनीतिकार और एशिया-प्रशांत क्षेत्र के इक्विटी रणनीति विभाग के सह-प्रमुख रहे थे।

बीएचईएल को मिला 21,000 करोड़ रुपए से अधिक का पावर प्रोजेक्ट

नई दिल्ली । सरकारी स्वामित्व वाली भेल यानी भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) के शेयरों में शुक्रवार को 2 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी दर्ज की गई। स्टॉक में यह तेजी कंपनी को मिले एक बड़े ऑर्डर के बाद आई। कंपनी को मेजा ऊर्जा निगम प्राइवेट लिमिटेड (एमयूएनपीएल) से उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 3×800 मेगावाट की मेजा सुपरक्रिटिकल ताप विद्युत परियोजना (स्टेज-2) स्थापित करने के लिए 21,000 करोड़ रुपए से अधिक का ऑर्डर मिला है।

यह कॉन्ट्रैक्ट इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) पैकेज से संबंधित है, जिसमें डिजाइन, इंजीनियरिंग, विनिर्माण, आपूर्ति, निर्माण, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग जैसे सभी कार्य शामिल हैं। बीएचईएल ने बताया कि यह ऑर्डर अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के माध्यम से मिला है। परियोजना को अवार्ड की अधिसूचना की तारीख से 70 महीनों के भीतर पूरा किया जाना है, यानी लगभग छह वर्षों में इसका निर्माण कार्य पूरा होगा। एमयूएनपीएल, एनटीपीसी लिमिटेड और उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (यूपीआरवीयूएनएल) का संयुक्त उपक्रम है। बीएचईएल ने स्पष्ट किया कि यह ऑर्डर संबंधित पक्षों के बीच होने वाले लेनदेन (रिलेटेड पार्टी ट्रांजैक्शन) की श्रेणी में नहीं आता है। यह सौदा ऐसे समय आया है जब बीएचईएल को 3 जून को नाइजीरिया की एक कंपनी से 2,000 से 2,500 करोड़ रुपए का एक और बड़ा ऑर्डर मिला था। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि 2 जून को नाइजीरिया की डांगोटे पेट्रोलियम रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स फ्री जोन एंटरप्राइज के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए थे।

राफेल लड़ाकू विमानों को मिली नई 'सुपर ताकत'

आधुनिक MICA NG मिसाइल का सफल परीक्षण

पेरिस। फ्रांस ने राफेल लड़ाकू विमान के लिए बनाई गई नई और आधुनिक MICA NG मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। खास बात यह है कि इस मिसाइल को पहली बार राफेल से बहुत तेज यानी सुपरसोनिक गति में दागा गया और यह स्टेल्थ फाइटर जेट्स को भी निशाना बना सकता है। इस सफल परीक्षण को राफेल की ताकत बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। मिसाइल बनाने वाली कंपनी MBDA के मुताबिक, MICA NG को भविष्य के युद्धों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

कंपनी के मुताबिक, यह मिसाइल दुश्मन के लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टरों, ड्रोन, स्टेल्थ फाइटर जेट और तेज रफ्तार क्रूज मिसाइलों को भी निशाना बना सकती है। स्टेल्थ विमान वे होते हैं जिन्हें रडार पर पकड़ना काफी मुश्किल होता है। यह MICA NG का राफेल विमान से दूसरा परीक्षण था। पहला परीक्षण जून 2025 में किया गया था। इस बार इसे ऐसी स्थिति में परखा गया जब विमान ध्वनि की गति से भी ज्यादा तेज उड़ रहा था। इतनी तेज गति पर तापमान बहुत बढ़ जाता है, जिससे लक्ष्य को पहचानना मुश्किल हो जाता है।

गर्मी पहचानकर निशाना लगाती है मिसाइल

परीक्षण के दौरान मिसाइल के इन्फ्रारेड सीकर की जांच की गई। यह तकनीक दुश्मन के विमान या मिसाइल से निकलने वाली गर्मी को पहचानकर उसे ट्रैक करती है। MBDA ने बताया कि परीक्षण में यह साबित हो गया कि बेहद कठिन परिस्थितियों और अधिक तापमान में भी यह प्रणाली सही तरीके से काम कर सकती है। कंपनी का कहना है कि यह मिसाइल फ्रांस की वायु सेना को भविष्य के खतरों से निपटने में मदद करेगी। इसके जरिए लड़ाकू विमान दुश्मन के विमानों को रोकने, हवाई लड़ाई लड़ने और अपनी सुरक्षा करने में ज्यादा सक्षम होंगे।

न्यूज विंडो

अंडमान के पास मिला प्राकृतिक गैस का विशाल भंडार

नई दिल्ली। अंडमान निकोबार क्षेत्र में प्राकृतिक गैस के बड़े भंडार मिले हैं। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने एक वीडियो साझा करते हुए इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकारी कंपनी ऑयल इंडिया लिमिटेड ने अंडमान अपतटीय बेसिन में प्राकृतिक गैस का एक बड़ा भंडार खोज निकाला है। इससे भारत के ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर होने की संभावना को और भी ज्यादा बल मिला है। इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने लिखा कि अंडमान निकोबार द्वीपों से 15 किलोमीटर दूर श्री विजय पुरम-3 में हमें प्राकृतिक गैस के भंडार मिले हैं। यह कुआं पानी में करीब 1900 मीटर गहराई में स्थिति हैं। शुरुआती टेस्टिंग के दौरान लगातार गैस जलने से गैस की मौजूदगी की पुष्टि हुई है। गैस के नमूने की जांच के लिए उसे लैबोरेट्री में भेजा गया है। यह खोज प्रधानमंत्री द्वारा स्वतंत्रता दिवस 2025 पर घोषित 'समुद्र मंथन मिशन' के उद्देश्यों को मजबूती प्रदान करती है।

ऑपरेशन ब्लू स्टार की 42वीं बरसी: श्री अकाल तख्त में लगे खालिस्तानी नारे

अमृतसर। ऑपरेशन ब्लू स्टार की आज 42वीं बरसी है। श्री अकाल तख्त साहिब में सुबह से ही संगत पहुंचने लगी है। सरबत खालसा के जत्थेदार ध्यान सिंह मंड अपने समर्थकों के साथ श्री अकाल तख्त पहुंचे। अकाली दल अमृतसर के अध्यक्ष सिमरनजीत सिंह मान अपने साथियों के साथ श्री अकाल तख्त पर पहुंचे।आज गुरुनगरी में बंद का आह्वान किया गया है। इसे देखते हुए पुलिस और अर्ध सैनिक बलों ने सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त किए हैं। सिविल ड्रेस में पुलिस और गुप्तचर विभाग के कर्मचारी भी तैनात हैं। एसजीपीसी ने भी श्री अकाल तख्त साहिब के आसपास अपनी टास्क फोर्स तैनात की है। अखंड पाठ साहिब के भोग के बाद जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह ने सिख कौम को संदेश दिया। श्री अकाल तख्त साहिब के पास संगत ने खालिस्तान के नारे लगाए। पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि गुरु नगरी में 65 से ज्यादा जगहों पर नाकाबंदी है। संदिग्ध वाहनों और लोगों की तलाशी ली जा रही है।

पीओके में तैनात किए जाएंगे 14 हजार अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान अपने कब्जे वाले कश्मीर (पीओजेके) में 14 हजार अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी तैनात करने जा रहा है। इससे क्षेत्रवासियों की चिंताएं बढ़ गई हैं। पीओजेके के मानवाधिकार कर्मी व राजनीतिक टिप्पणीकार अमजद अयूब मिर्जा ने पाकिस्तान पर सोची-समझी साजिश के तहत क्षेत्र के सैन्यीकरण का आरोप लगाया है। पीओजेके के पुलिस महानिरीक्षक की तरफ से स्थानीय प्रशासन के मुख्य सचिव को 4 जून, 2026 को एक सर्कुलर जारी किया गया है। इस सर्कुलर में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के बहाने इलाके में हजारों सुरक्षाकर्मियों की तुरंत तैनाती की मांग की गई थी। इस कदम की निंदा करते हुए मिर्जा ने कहा कि इससे पीओजेके में पाकिस्तानी प्रशासन के दोहरेपन और औपनिवेशिक सोच का पता चलता है।

केरलम में आज बारिश का रेड अलर्ट, वायनाड-कासरगोड में स्कूल बंद, ट्रेकिंग पर रोक

मानसून गोवा तक पहुंचा, एमपी-छत्तीसगढ़ देर से पहुंचने का अनुमान

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर/लखनऊ, एजेंसी

3 दिन की देरी से आने के बाद मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। केरलम, कर्नाटक, तमिलनाडु को पार कर मानसून गोवा पहुंच गया है। मुंबई में भी इसके जल्द पहुंचने की संभावना है। फिलहाल पणजी, बेंगलुरु, सलेम, पंबन में मानसून के कारण तेज बारिश हो रही है।

वहीं, केरलम में आज बारिश का रेड अलर्ट है। रेड अलर्ट का मतलब है यहां अगले 24 घंटे में 20ष्द्व से बहुत ज्यादा बारिश हो सकती है। वायनाड-कासरगोड में स्कूल आज बंद रहेंगे। टूरिस्ट ट्रेकिंग स्पॉट पर जाने, पहाड़ी रास्तों पर रात में ट्रैवलिंग और पत्थर निकालने के काम पर रोक लगा दी गई है।

3 दिन में मानसून असम, मेघालय, मिजोरम, त्रिपुरा, मणिपुर, नगालैंड, अरुणाचल और बंगाल के कुछ हिस्सों तक पहुंच सकता है। 10 दिन में यह बिहार, झारखंड और ओडिशा में आ सकता है। हालांकि, बाद में मानसून अटक सकता है। स्काईमेट वेदर के एक्सपर्ट जीपी शर्मा के मुताबिक एमपी, छत्तीसगढ़, ओडिशा, बंगाल में मानसून को आगे बढ़ाने के लिए बंगाल की खाड़ी में एक मजबूत सिस्टम की जरूरत होती है, जो फिलहाल मौजूद नहीं है। ऐसे में इन राज्यों में मानसून की रफ्तार धीमी पड़ सकती है।

गुजरात को छोड़कर बाकी सभी राज्यों में प्री-मानसून एक्टिव है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर में भी भारी बारिश हो रही है। इन राज्यों में आज के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

उत्तराखंड के नैनीताल में बारिश के दौरान लोग खुद को ढककर बाहर निकल रहे हैं।

कई शहरों में तापमान 40° से नीचे; भोपाल में तेज बारिश, कई जिलों में अलर्ट

मध्यप्रदेश में आंधी-बारिश के चलते पारा लुढ़क गया है। शुक्रवार को प्रदेश के अधिकांश शहरों का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। श्योपुर 32 डिग्री के साथ सबसे ठंडा शहर रहा, जो प्रदेश के एकमात्र हिल स्टेशन पचमढ़ी (34.2 डिग्री) से भी ठंडा दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने रात में कई जिलों में तेज आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है। राजधानी भोपाल में शाम को आंधी चली और बारिश हुई। मौसम विभाग ने शुक्रवार रात भी प्रदेश के कई जिलों में तेज आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है।

20 से 22 जून के बीच एमपी पहुंच सकता है

मौसम विभाग के अनुसार इस बार मध्य प्रदेश में मानसून सामान्य तारीख से 5 से 7 दिन देरी से पहुंच सकता है। प्रदेश में मानसून की सामान्य एंट्री 15 जून मानी जाती है, लेकिन इस बार इसके 20 से 22 जून के बीच पहुंचने की संभावना है। केरल में मानसून 4 जून को पहुंच चुका है। सामान्य तौर पर केरल पहुंचने के करीब 15 दिन बाद मानसून मध्य प्रदेश में प्रवेश करता है। पिछले 24 घंटे में प्रदेश के 20 से ज्यादा जिलों में आंधी और बारिश दर्ज की गई। रतलाम में सबसे ज्यादा करीब डेढ़ इंच बारिश हुई। भोपाल में पौन इंच और इंदौर व श्योपुर में आधा इंच से ज्यादा पानी गिरा। धार, गुना, नर्मदापुरम, शाजापुर, रायसेन, राजगढ़, उज्जैन, जबलपुर, छतरपुर, झाबुआ, सीहोर और मैहर समेत कई जिलों में भी बारिश रिकॉर्ड की गई।

रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने दी चेतावनी

भारत पर प्रतिबंध लगाने वाले खुद भुगतेंगे अंजाम

पीटर्सबर्ग, एजेंसी

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत की रणनीतिक स्वायत्तता और स्वतंत्र विदेश नीति का पुरजोर समर्थन किया है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि भारत के खिलाफ प्रतिबंधों की कोई भी धमकी तुरंत उल्टा असर करने वाली साबित होगी।

वार्षिक सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम में बोलते हुए रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि भारत हमेशा एक संप्रभु देश के रूप में काम करता है और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में प्रतिबंधों का कोई भी संभावित खतरा तुरंत बूमरैंग साबित होगा। हम लंबे समय से प्रधानमंत्री मोदी के साथ करीबी बातचीत कर रहे हैं। जहां तक मैं समझता हूं, सभी प्रतिबंधों को समाप्त कर दिया गया है और अमेरिका तथा भारत के बीच संबंध सफलतापूर्वक विकसित हो रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि भारत उन उत्पादों को चुनने के लिए स्वतंत्र है जिन्हें वह सबसे आधुनिक और अपने लिए सबसे उपयुक्त मानता है। भारत हमेशा अपने राष्ट्रीय हितों के अनुसार ही फैसले लेता है। रूसी राष्ट्रपति ने साफ किया कि भारत के साथ क्रेमलिन का सहयोग किसी भी तरह के राजनीतिक माहौल के अधीन नहीं है और मॉस्को भारत जैसे अपने भरोसेमंद भागीदारों को दी गई प्रतिबद्धताओं पर हमेशा कायम रहेगा। उन्होंने कहा कि भारत के साथ हमारा सहयोग, हमारे बाकी सभी भागीदारों की तरह, राजनीतिक उतार-चढ़ाव से प्रभावित नहीं होता है। कोई हमें यह निर्देश नहीं दे सकता कि हम भारत को क्या आपूर्ति करें और क्या नहीं। कोई भी हमें निर्देशित नहीं कर सकता और कोई ऐसा करने की कोशिश भी नहीं करेगा। आर्थिक आंकड़ों को साझा करते हुए पुतिन ने कहा कि पिछले पांच वर्षों के वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद की वार्षिक वृद्धि का लगभग आधा हिस्सा (49%) ब्रिक्स देशों से आया है, जबकि G7 समूह का योगदान केवल 18% अनुमानित है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था में बड़ा बदलाव

पुतिन ने वैश्विक अर्थव्यवस्था के बदलते समीकरणों का जिक्र करते हुए कहा कि आर्थिक आकार के मामले में ब्रिक्स ने G7 देशों को पीछे छोड़ दिया है।' उन्होंने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में विकासशील देश लगातार महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, जबकि पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं की हिस्सेदारी लगातार सिकुड़ रही है।

भारत ने लगाई कड़ी फटकार, बोला- ये झूठ फैलाने का मंच नहीं

यूएन में पाकिस्तान ने फिर अलापा कश्मीर का राग

नई दिल्ली, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासभा में एक बार फिर भारत ने पाकिस्तान को जमकर लताड़ा। दरअसल, महासभा में पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाकर भारत को घेरने की कोशिश की, लेकिन भारत ने तुरंत कड़ा जवाब देते हुए उसे फटकार लगा दी।

भारत ने साफ कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की सदस्यता कोई राजनीतिक प्रचार का मंच नहीं है और इसका इस्तेमाल झूठे और पक्षपातपूर्ण दावे फैलाने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने दो टूक कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है और इस सच्चाई को कोई नहीं बदल सकता।

भारत ने पाकिस्तान को कैसे दिया जवाब?: भारत के स्थायी प्रतिनिधि पर्वतनेनी हरीश ने पाकिस्तान को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का आंतरिक मामला है और इस पर किसी बाहरी टिप्पणी की जरूरत नहीं है।

पाक ने फिर वही कोशिश दोहराई

संयुक्त राष्ट्र महासभा में सुरक्षा परिषद की वार्षिक रिपोर्ट पर चर्चा के दौरान पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि आसिम इफ्तिखार अहमद ने जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाया। पाकिस्तान लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कश्मीर का मुद्दा उठाता रहा है। इस बार भी उसने संयुक्त राष्ट्र में वही कोशिश दोहराई। पाकिस्तान इस समय संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य है और उसका कार्यकाल इसी साल खत्म होना है।

गुजरात: मोरबी में तेज रफ्तार डंपर ने कार को कुचला, एक ही गांव के पांच युवकों की मौत

गांधीनगर। मोरबी-हलवद हाईवे पर चरड़वा गांव के बाहरी इलाके में बीती रात एक भयानक सड़क हादसा हुआ, जिसमें रणछोड़गढ़ गांव के 5 युवकों की जान चली गई। एक तेज रफ्तार कार फैक्ट्री से निकल रहे डंपर से टकरा गई, जिससे कार के टुकड़े-टुकड़े हो गए। इस हादसे में कार में सवार 7 लोगों में से 5 की मौत हो गई, जबकि 2 लोगों की हालत बहुत गंभीर है। घायलों को बचाने की कोशिश में हुआ हादसा

इस हादसे के पीछे एक बहुत ही दुखद कहानी है। रणछोड़गढ़ गांव के दिलीप दहैया का 24 साल का बेटा परेश हलवद तालुका के मानसर गांव के पास बाइक पलटने से गंभीर रूप से घायल हो गया। रणछोड़गढ़ गांव के कुछ युवक उसे अपनी कार में लेकर हॉस्पिटल की तरफ भाग रहे थे ताकि घायल व्यक्ति को तुरंत इलाज मिल सके।

रात करीब 9:30 बजे, चरड़वा गांव के पास एक पेट्रोल पंप के सामने एक फैक्ट्री से आ रहा एक डंपर अचानक तेज़ी से मुड़ गया। कार ड्राइवर, जिसे हॉस्पिटल पहुंचने की जल्दी थी, के बावजूद कार डंपर से टकरा गई। टक्कर इतनी ज़ोरदार थी कि कार डंपर के नीचे फंस गई और उसमें बैठे लोग लोहे की चादरों के बीच कुचल गए।

चादरें काटकर शवों को निकाला बाहर

यह भयानक हादसा देखकर आस-पास के लोग मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों ने तुरंत JCB मशीन की मदद ली, और कार की बॉडी काटकर फंसे हुए लोगों को मुश्किल से बाहर निकाला गया। इस हादसे में 3 युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 2 लोगों ने हॉस्पिटल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

मेट्रो एंकर — **फूलप्रूफ प्लान तैयार: तीन जुलाई से शुरू होने जा रही पवित्र अमरनाथ यात्रा**

55 हजार जवान और खुफिया एजेंसियां दर्शनार्थियों को रखेंगी महफूज

नई दिल्ली/कटड़ा, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर में तीन जुलाई से पवित्र अमरनाथ यात्रा शुरू हो रही है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अमरनाथ यात्रा को सुरक्षित बनाने का फूलप्रूफ प्लान तैयार कर लिया है। यात्रा मार्ग पर सेना/सीएपीएफ के 50 हजार से अधिक जवानों की तैनाती की जाएगी। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय खुफिया इकाई को भी जिम्मेदारी सौंपी गई है। राज्य में लगभग पचास विदेशी दहशतगर्द और दर्जनों ओवर ग्राउंड वर्कर भी सक्रिय हैं। खुफिया सूचनाओं के मुताबिक, अमरनाथ यात्रा के दौरान छोटी मिसाइल यानी हैंड ग्रेनेड से हमला, ड्रोन-अटैक, फिदायीन हमला और आईईडी से नुकसान पहुंचाना, यह खतरा बना रहेगा। हालांकि सुरक्षा एजेंसियों ने उक्त खतरों का तोड़ निकाल लिया है।

आठ जून को गृह मंत्री शाह करेंगे बैठक: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आठ जून को अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा एवं दूसरी तैयारियों को लेकर एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता करेंगे। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्य सचिव, डीजीपी, सेना, सीआरपीएफ, बीएसएफ और खुफिया एजेंसियों के अधिकारी शामिल होंगे।

यह की गई है सुरक्षा व्यवस्था

- मल्टी एजेंसी सेंटर में सुरक्षा बलों का त्वरित तालमेल
- सीमा पार से आने वाले ड्रोन पर नजर
- हैंड ग्रेनेड व आईईडी हमला रोकने के लिए विशेष दस्ते
- वाहनों में चिपकू बम का पता लगाने के लिए फोर्स की तैनाती
- ओवर ग्राउंड वर्कर के लिए मानवीय/तकनीकी इंटेलिजेंस
- रसद सामग्री वाले स्थानों पर ड्रोन से नजर, स्कैनर की मदद
- यात्रियों शिविरों के आसपास त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरा
- यात्रा मार्ग पर सुरक्षा बलों के खोजी कुत्ते तैनात
- ड्रोन को मार गिराने के लिए केंद्रीय बलों के शूटर

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक राजेश सिरोठिया द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन : 0755-7963564